श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 225, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 11 सितंबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

'देश के वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का जश्न मनाएं'

सरकार के प्रयास से भारत वैश्विक नवाचार सूचकांक में 46वें स्थान पर पहुंचा

अपनी साइंस और टेक्नॉलॉजी से जुड़ी रिसर्च को हमें लोकल स्तर पर लेकर जाना है

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में शनिवार को सेंटर-स्टेट साइंस कॉन्क्लेव का वर्चुअली उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि जब ज्ञान-विज्ञान से हमारा परिचय होता है तब संसार की सभी संकटों से मुक्ति का रास्ता अपने आप खुल जाता है। सॉल्यूशन और इनोवेशन का आधार विज्ञान ही है। इसी प्रेरणा से आज का नया भारत, जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के साथ ही जय अनुसंधान का आह्वान करते हुए आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के इस अमृतकाल में भारत को रिसर्च और इनोवेशन का ग्लोबल सेंटर बनाने के लिए हमें एक साथ अनेक मोर्चों पर काम करना है। अपनी साइंस और टेक्नॉलॉजी से जुड़ी रिसर्च को हमें लोकल स्तर पर लेकर जाना है। ढट के मुताबिक भारत की इंडेक्स रैंकिंग में भी सुधार हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार विज्ञान आधारित विकास की सोच के साथ काम कर रही है। 2014 के बाद से साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में निवेश में काफी वृद्धि की गई है। सरकार के प्रयासों से आज भारत इंटरनेशनल इनोवेशन इंडेक्स में 46वें स्थान पर है, जबकि 2015 में भारत 81 नंबर पर था। उन्होंने आगे कहा- 21वीं सदी के भारत के विकास में विज्ञान उस ऊर्जा की तरह है जिसमें हर क्षेत्र के विकास को, हर राज्य के विकास को गति देने का सामर्थ्य है। आज जब भारत चौथी औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व करने की तरफ बढ़ रहा है तो उसमें भारत की विज्ञान और इस क्षेत्र से जुड़े लोगों की भूमिका बहुत अहम है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी दुनिया की तुलना में हमने अपने वैज्ञानिकों का उतना सम्मान नहीं किया। इसलिए आज सबसे पहला आग्रह मेरा यही है कि हम अपने देश के वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को जमकर जश्न मनाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत के विकास में विज्ञान उस ऊर्जा की तरह है जिसमें हर क्षेत्र के विकास और हर राज्य के विकास को गति देने का सामर्थ्य है। आज जब भारत चौथी औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व करने की तरफ बढ़ रहा है तो उसमें भारत के विज्ञान और इस क्षेत्र से जुड़े लोगों की भूमिका बहुत अहम है। समाधान, विकास और नवाचार का आधार विज्ञान ही है। इसी प्रेरणा से आज का नया भारत, जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान के साथ ही जय अनुसंधान का आह्वान करते हुए आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने विज्ञान के क्षेत्र में केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जिक्र करते हुए कहा कि सरकार विज्ञान आधारित विकास की सोच के साथ काम कर रही है। 2014 के बाद से साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में निवेश में काफी वृद्धि हुई है। सरकार के प्रयासों से आज भारत वैश्विक नवाचार सूचकांक में 46वें स्थान पर है, जबकि 2015 में भारत 81 नंबर पर था। उन्होंने कहा कि इस अमृतकाल में भारत को रिसर्च और इनोवेशन का ग्लोबल सेंटर बनाने के लिए हमें एक साथ अनेक मोर्चों पर काम करना है। अपनी साइंस और टेक्नोलॉजी से जुड़ी रिसर्च को हमें लोकल स्तर पर लेकर जाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह आवश्यक है कि प्रत्येक राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर एक आधुनिक नीति तैयार करे और उसे लागू करे। सरकारों के रूप में हमें यथासंभव सहयोग करना चाहिए और अपने वैज्ञानिकों के साथ सहयोग करना चाहिए।

2 दिनों तक चलेगा कार्यक्रम: अहमदाबाद की साइंस सिटी में यह कार्यक्रम 2 दिनों तक चलेगा। इस बारे में जानकारी साझा की गई है। बताया गया कि यह कार्यक्रम देश में इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप की सुविधा के लिए प्रधानमंत्री के प्रयासों की दिशा में एक अहम कदम है।

देशभर के 100 स्टार्टअप्स के सीईओ भी मौजूद रहे

इस कॉन्क्लेव में गुजरात के मुख्यमंत्री, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री के साथ राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों के सचिव, उद्योग जगत के दिग्गज, उद्यमी, गैर-सरकारी संगठन, वैज्ञानिक और छात्र भी मौजूद थे। साथ ही देशभर के 100 से अधिक स्टार्टअप के उएड इस सम्मेलन में हिस्सा ले सकते हैं।

इनोवेशन को बढ़ावा देना है उद्देश्य: विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह का कहना है कि इस सम्मेलन का उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय बनाना है, जिससे देश में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इनोवेशन के एक सशक्त इको-सिस्टम का निर्माण हो। इस सम्मेलन में एसटीआई विजन 2047 सहित कई अन्य विषयों पर सेशन होंगे। इस सम्मेलन का लक्ष्य 2030 तक अनुसंधान और विकास में निजी क्षेत्र के निवेश को दोगुना करना है। साथ ही कृषि और किसानों की आय में सुधार के लिए तकनीकी हस्तक्षेप, पीने के पानी के लिए नवाचार करना है। जिससे रोजगार पैदा होंगे और लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिलेंगी, जो देश के विकास और अर्थव्यवस्था के लिए जरुरी है।

गहलोत ने सुनियोजित दंगे करवाए: शाह

जोधपुर/जैसलमेर: अमित शाह के दो दिन के राजस्थान दौरे में यह साफ हो गया है कि भाजपा ने सवा साल पहले ही राजस्थान में चुनावी शंखनाद कर दिया है। जोधपुर के बूथ सम्मेलन में कांग्रेस की गहलोत सरकार को भ्रष्टाचार, महिला अपराध, हिंदुत्व, बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे पर घेरकर शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश फूंकने की कोशिश की। साथ ही चुनाव में बचे सवा साल के दौरान इन मुद्दों पर पार्टी के लिए जनता में माहौल तैयार करने का संदेश दिया। राजनीतिक रूप से शाह ने उन्हीं मुद्दों को प्रमुखता से उठाया, जिन पर पार्टी अक्सर राष्ट्रीय स्तर पर बात करती रही है। ये ऐसे मुद्दे हैं जो जनता से सीधे जुड़े हैं। मकसद साफ है- आने वाले चुनाव से पहले हर वर्ग को लुभाना।

बीते तीन-चार महीनों में राजस्थान में हुए करौली दंगे, महिला अपराध, साधु-संतों पर हमलों और उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड जैसे चर्चित मामलों का हवाला देते हुए उन्होंने लोगों तक यह मैसेज पहुंचाने की कोशिश की कि राजस्थान में गहलोत सरकार कानून व्यवस्था समेत हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत से राजस्थान नहीं संभल रहा है, तो बता दें, जनता भाजपा को लाने के लिए तैयार है।

हिंदुत्व पर आक्रामक रवैया: शाह ने कन्हैयालाल दर्जी हत्याकांड और करौली दंगों का हवाला देकर शाह ने हिंदुत्व के मुद्दे को हवा दी। उन्होंने गहलोत सरकार पर तुष्टिकरण का आरोप जड़ा। रामनवमी की शोभा यात्राओं पर प्रतिबंध लगाने, आरएसएस के पथ संचलन पर अंकुश लगाने जैसे मुद्दे उठाए। साधु-संतों की सुरक्षा में सरकार को फेल बताकर उन्होंने पार्टी की हिंदुत्व छवि को एक बार फिर मुखरता से लोगों के सामने रखा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में हिंदू त्योहारों पर प्रतिबंध जनता सहन नहीं करेगी। राजस्थान के कई शहरों में सुनियोजित दंगे गहलोत ने करवाए हैं।

महंगा पेट्रोल-डीजल और बिजली: राजस्थान में पड़ौसी राज्यों से महंगे पेट्रोल--डीजल के मुद्दे पर शाह ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के कहने पर भाजपा शासित राज्यों ने अपने यहां वैट घटाया, लेकिन गहलोत सरकार ने वैट कम नहीं किया।

इसकी वजह से राजस्थान में अन्य राज्यों से ज्यादा कीमतों पर पेट्रोल-डीजल मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सबसे महंगी बिजली राजस्थान में मिलती है।

सुप्रीम कोर्ट में नान घोटाले मामले की हुई सुनवाई

नई दिल्ली: छत्तीसगढ़ में 36 हजार करोड़ रुपये के नागरिक आपूर्ति निगम (नान) में हुए घोटाले मामले की शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट में ईडी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भ्रष्टाचार के इस बड़े मामले को बेहद गंभीर बताते हुए सीबीआई जांच की मांग उठाई। तुषार मेहता ने घोटाले के मुख्य आरोपित आईएएस अनिल टुटेजा और डॉ आलोक शुक्ला को बिलासपुर हाई कोर्ट द्वारा मिली अग्रिम जमानत को रद्द करने की मांग भी की। नान घोटाले की सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 12 सितंबर को होगी।

राहुल से बोले पादरी- ईसा ही असली भगवान

नई दिल्ली: कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा उस दौरान विवादों में घिर गई जब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गत शुक्रवार को कन्याकुमारी जिले में एक विवादास्पद कैथोलिक पुजारी जॉर्ज पोन्नैया से मुलाकात की। दरअसल पोन्नैया पर हिन्दुओं के खिलाफ भड़काऊ बयानबाजी के आरोप लग चुके हैं। पोन्नैया पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ भी अभद्र भाषा का प्रयोग कर चुके हैं।

पोन्नैया और राहुल गांधी के मुलाकात की एक वीडियो कल से ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। जिसमें राहुल पोन्नैया से सवाल पूछते हैं कि क्या यीशु मसीह भगवान का एक रूप हैं? जिसके जवाब में पोन्नैया कहते है कि यीशु ही असली भगवान हैं। वीडियो में और भी बहुत कुछ पोन्नैया ने कहा है। जिसको राहुल गांधी ध्यान से सुनते देखे जा रहे हैं। राहुल और पोन्नैया के इस मुलाकात पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सवाल उठाया है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनेवाला ने शनिवार को कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा पर ही सवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि पोन्नैया से मुलाकात कर राहुल गांधी ने यह साबित कर दिया है कि वह नफरत जोड़ो अभियान पर निकले हैं। पूनेवाला ने कहा कि कांग्रेस ने जॉर्ज पोन्नैया जैसे व्यक्ति को भारत जोड़ो यात्रा का पोस्टर ब्वॉय बना दिया है। यह वही पोन्नैया हैं जिन्होंने हिंदुओं को चुनौती दी थी। वह भारत माता के बारे में गलत बातें कह चुके हैं। पूनेवाला ने कहा कि कांग्रेस का हिंदू विरोधी होने का लंबा इतिहास रहा है। भाजपा की ओर से इस मुलाकात पर सवाल उठाए जाने के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सफाई दी है। रमेश ने कहा कि भाजपा की हेट फैक्ट्री एक घटिया ट्वीट वायरल करने का प्रयास कर रही है। ऑडियो में जो कुछ भी रिकॉर्ड किया गया है, उससे इसका कोई संबंध नहीं है। यह भाजपा का विशिष्ट तुच्छ तरीका है। उन्होंने कहा कि भाजपा भारत जोड़ो यात्रा के सफल शुरूआत और लोगों द्वारा मिल रहे ।

कांग्रेस अध्यक्ष पद चुनाव: 5 सांसदों ने जताई चिंता

नई दिल्ली: कांग्रेस में अध्यक्ष पद के चुनाव से पहले ही पार्टी में दरार दिखने लगी है। पार्टी के कई सीनियर नेता इस पर अपनी अलग-अलग राय दे रहे हैं। अब कांग्रेस के 5 सांसदों ने पार्टी के सेंट्रल इलेक्शन अथॉरिटी (सीईए) के चीफ मधुसूदन मिस्त्री को लेटर लिखा है। लेटर में सांसदों ने पार्टी अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया को लेकर चिंता व्यक्त की है। सांसदों में मनीष तिवारी, शशि थरूर, कार्ति चिदंबरम, प्रद्युत बोरदोलोई, अब्दुल खलीक का नाम शामिल है। इन सांसदों ने कांग्रेस पद के लिए निष्पक्ष चुनाव न होने को लेकर आशंका जताई है। उन्होंने मिस्त्री से अपील की है कि वोटिंग में हिस्सा लेने वाले और संभावित उम्मीदवारों के नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने से पहले कांग्रेस कमेटी के डेलीगेट की लिस्ट उपलब्ध करवाई जाए। सांसदों ने लेटर में कहा कि उनका मतलब ये कतई नहीं है कि पार्टी के किसी आंतरिक दस्तावेज को ऐसे ढंग से जारी किया जाए कि इसका किसी भी तरीके से दुरुपयोग हो। उएअ ने मधुसूदन मिस्त्री से आग्रह किया है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्वाचक मंडल की लिस्ट वोटिंग में हिस्सा लेने वालों और संभावित उम्मीदवारों को दी जाए।

पाक ने जिस तनोट मंदिर पर दागे थे 3000 गोले

अब उसी पर खर्च होंगे 17 करोड़ रुपये

नई दिल्ली: भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान राजस्थान के जैसलमेर में स्थित 'तनोट मंदिर' की एक अपनी ही कथा है। इस मंदिर पर पाकिस्तान की तरफ से हजारों गोले गिराए गए थे, मगर उनमें से एक गोला भी नहीं फट सका। इसे 'तनोट माता' का चमत्कार माना गया। अब उस मंदिर को दुनिया देखेगी। तनोट मंदिर कॉम्पलेक्स परियोजना के लिए भारत सरकार द्वारा 17 करोड़ 67 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र का दौरा कर तनोट मंदिर सीमा विकास परियोजना का शिलान्यास किया है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, शुक्रवार शाम को अपने दो दिवसीय दौरे पर राजस्थान पहुंचे थे। उन्होंने भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे एवं जैसलमेर से 120 किलोमीटर दूर तनोट मंदिर परिसर में 10 सितंबर को सीमा पर्यटन विकास कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। तनोट मंदिर कॉम्पलेक्स परियोजना, सीमा पर्यटन विकास कार्यक्रम के अर्न्तगत केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई है। इस परियोजना के तहत मंदिर परिसर में एक प्रतीक्षालय, रंगभूमि, इंटरप्रेटेशन केंद्र, बच्चों के लिए कक्ष एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के लिय अन्य जरुरी सुविधाओं को विकसित किया जाएगा।

4 महीने में 40 लाख से ज्यादा यात्री पहुंचे; हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होते ही बुकिंग हुई फुल

चारधाम यात्रा के इतिहास में बना नया रिकॉर्ड

सोनप्रयाग: मौसम अच्छा होने से एक बार फिर चारधाम यात्रा के लिए लोग जाने लगे हैं। जहां एक हफ्ते पहले तक हर रोज पांच हजार यात्री ही चारधाम पहुंच रहे थे। वहीं, अब इस हफ्ते की शुरूआत से यह आंकड़ा 25 हजार से ज्यादा गया है। अब तक चार महीने में श्रद्धालुओं की संख्या 40 लाख पार पहुंच गई है, जो एक रिकॉर्ड है। इनमें सर्वाधिक 11 लाख श्रद्धालु केदारनाथ पहुंचे हैं। अभी डेढ़ महीने की यात्रा बची है। इससे पहले 2019 में सबसे ज्यादा 34 लाख श्रद्धालु चारधाम पहुंचे थे।

होटलों की बुकिंग हुई फुल: केदारनाथ पहुंचने के लिए यात्रियों को सोनप्रयाग में अपने वाहन पार्क करने पड़ते हैं। यहां से ट्रेक शुरू होता है। यहां 300 और 500 वाहन क्षमता वाली अलग-अलग पार्किंग है। बीते रविवार तक ये पार्किंग लगभग खाली थी, लेकिन अब पूरी तरह फुल हो चुकी है। यात्रियों की संख्या का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि गुप्तकाशी से सीतापुर तक शाम पांच बजे लगा जाम रात 11 बजे खुला। सोनप्रयाग में एक होटल के मालिक परीक्षित भंडारी का कहना है कि उनके होटल में दस कमरे हैं। बीते हफ्ते सभी खाली थे, लेकिन अब 30 अक्टूबर तक बुकिंग फुल है। इस साल मई-जून में जहां चारधाम मार्गों में मौजूद होटलों के कमरों के दाम आसमान छू रहे थे, वहीं अब सामान्य कमरे का किराया 1500 रुपए तक है।

ऑल वेदर रोड का हाल खस्ता, गिर रहे पत्थर: मानसून के बाद ऑल वेदर रोड का हाल खराब है। हर 5 किमी पर कहीं न कहीं पहाड़ दरक कर सड़क पर गिरा है, जिससे ट्रैफिक जाम हो रहा है। ऋषिकेश से व्यासी तक चार जगह चट्टानें टूट कर सड़क तक आई हुई हैं।

यूपी की राजनीति का नया पोस्टर

लखनऊ में सपा कार्यालय के बाहर लगाया, लिखा- यूपी+बिहार= गई मोदी सरकार

लखनऊ: लखनऊ में समाजवादी पार्टी दफ्तर के बाहर शनिवार सुबह लगा एक पोस्टर चर्चा में है। पोस्टर में नीतीश कुमार और अखिलेश यादव की तस्वीर के साथ लिखा है- 'यूपी+बिहार= गई मोदी सरकार।' सपा दफ्तर की दीवार पर लगे इस पोस्टर को सपा नेता आईपी सिंह ने लगवाया है। कुछ ही दिन पहले बिहार में सत्ता बदलने के ठीक बाद नीतीश कुमार को लेकर पटना में लगाए गए पोस्टर चर्चित हुए थे। आईपी सिंह से बात कर पोस्टर लगवाने के मकसद को समझने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'यूपी और बिहार देश की दशा और दिशा तय करते हैं। बड़ी आबादी वाले ये दोनों राज्य सियासी लिहाज से सबसे जागरूक प्रदेश हैं। आज देश में विपक्षी दलों ने मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यह मोर्चा मोदी सरकार को जड़ से उखाड़ कर फेकेगा।'

खबर संक्षेप

जायसवाल महासभा की बैठक आज

नैनी। अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा प्रयागराज उत्तर प्रदेश के सभी पदाधिकारियों की बैठक रविवार दोपहर दो बजे से नैनी के सुन्दरम गेस्ट हाउस काजीपुर नैनी मे आयोजित की गई है। यह जानकारी प्रदेश प्रभारी उत्तर प्रदेश मीना जायसवाल एवं कार्यक्रम संयोजिका उत्तर प्रदेश प्रीति रानी जायसवाल ने दी है। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान राजनीति मे अपनी सहभागिता के सम्बन्ध मे पिछली कार्यवाही की पुष्टि किया जाएगा। नगर निकाय चुनाव के सन्दर्भ में भी जो प्रत्याशी चुनाव लड़ना चाहते हैं, उस पर भी चर्चा होगी। बैठक मे ध्रुवचंद जायसवाल प्रदेश अध्यक्ष ऑनलाइन अपना उद्बोधन देगे।

मेजा में नशेड़ी कर रहे चोरी, तहरीर

सिरसा। मेजा क्षेत्र के बंधवा गांव मे नशेड़ियों द्वारा छोटी छोटी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। गांव के ही एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि मेजा के बंधवा गांव निवासी शिवसागर यादव ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मेरे घर के पास सामने मकान बनाने के काम आने वाला पीलर का फार्मा कालम चोरों ने पार कर दिया। काफी खोजबीन की लेकिन कुछ पता नहीं चला। वहीं गांव में नशेड़ियों द्वारा छोटी छोटी चोरियों को अंजाम दिया जा रहा है। शिवसागर ने पुलिस को तहरीर देक कार्रवाई की मांग की है।

निःशुल्क डेंटल ओरल कैम्प आज

घूरपुर। सोमवार को क्षेत्र के सारंगापुर पंचायत भवन में आरोग्य चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क डेंटल ओरल चेकअप कैम्प का आयोजन किया गया है । कैम्प में डेंटल रोगियों की मुफ्त जांच के साथ योगाभ्यास का भी आयोजन होगा ।साथ लघु फिल्म का निर्माण भी कराया जाएगा । ट्रस्ट द्वारा क्षेत्र के लोगों को कैम्प में पहुंचकर लाभ लेने की अपील की गई है। कार्यक्रम का उदघाट्न प्रधान सुधीर कुमार यादव करेंगे।

मऊआइमा में फिर लाखों की चोरी

मऊआइमा। इलाके में चोरों का हौसला पूरी तरह बुलंद है। चोरों ने एक घर में घुस कर सोना ,चांदी के जेवरात तथा बर्तन और अन्य सामानों सहित लाखों की चोरी कर ले गए। भुक्तभोगी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है। थाना क्षेत्र के ग्राम बरईपुर निवासी तुलसीराम चौरसिया का परिवार सोया था चोर छत के रास्ते से चढ कर कमरे में दाखिल हो गए। अलमारी और सन्दूकों का ताला तोड़कर उसमें. रखा पचीस साडियां ,ताम्बा पीतल के बर्तन ,सोने का हार, जंजीर आंगूठी और चांदी के अनेकों जेवरात लगभग तीन लाख के माल पर हाथ साफ कर दिए।

नवजात के जन्म के बाद प्रसूता की मौत

मामला सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का : नाराज परिजनों ने प्रयागराज बांदा राजमार्ग पर शव रखकर किया रास्ता जाम

अखंड भारत संदेश

जसरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा में प्रसव के बाद नवजात के जन्म के बाद प्रसूता महिला की मौत हो गई। मौत से नाराज परिजनों ने प्रयागराज बांदा राजमार्ग पर शव रखकर रास्ता जाम कर दिया। बता दें कि कौंधियारा के गोठी गांव निवासी रोहित कुमार पटेल अपनी गर्भवती पत्नी सुशीला पटेल 27 को प्रसव पीड़ा उठने के बाद शुक्रवार की रात लगभग 9:00 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा लाकर भर्ती करा दिया । सुशीला ने शनिवार की सुबह 8:00 बजे नवजात को साधारण तरीके से जन्म दिया। परिजनों का कहना है कि लगभग 2 घंटे बाद 10:00 बजे अचानक सुशीला की तबीयत खराब हो गई। इसके बाद स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों द्वारा सुशीला को एक सुई लगाई गई । इसके बाद उसकी मौत हो गई। वही स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों का कहना है कि डिलीवरी के वाद सुशीला का बीपी अचानक कम होने लगा। इसके बाद महिला को शहर के अस्पताल रेफर कर दिया गया । लेकिन परिजनों द्वारा हीला हवाली के कारण सुशीला की मौत अस्पताल के अंदर खड़ी एंबुलेंस में ही हो गई। स्टाफ नर्स विमला यादव ने बताया कि लगभग 45 मिनट तक सुशीला एंबुलेंस में तड़पती रही। अगर उसे शहर के अस्पताल ले जाया जाता तो वह बच सकती थी।अचानक सुशीला की मौत से परिजन आक्रोशित हो उठे । घटना की सूचना पाकर सुशीला के मायके चितौरी गांव से भी दर्जनों की संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। तथा स्ट्रेचर सहित शव को प्रयागराज बांदा राजमार्ग पर रखकर रास्ता जाम कर दिया। राजमार्ग जाम होने की सूचना पर पुलिस के हाथ पांव फूल गए। तथा कई थानों की फोर्स के साथ एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित मौके पर पहुंचे तथा 2 घंटे तक समझाने के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हो गए। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। तथा चक्काजाम समाप्त करा दिया। महिला का मायका जसरा के बगल स्थित चितौरी गांव में है।

बुद्धि और ऋद्धि-सिद्धि के दाता गणेश जी से अगले वर्ष फिर से आने की कामना की गई

जंघई। गणेश चतुर्थी से लेकर अनंत चतुर्दशी तक देश विदेश में गणपति गजानन महाराज की वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच घरों एवं पंडालों में स्थापना, पूजन, अर्चन, भजन किया गया तत्पश्चात हवन, आरती, प्रसाद का वितरण कराया गया। प्रतापपुर विधानसभा के वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित विमलधर दुबे, संजय दुबे, राकेश दुबे के आवास पर स्थापित गणपति महाराज की अनंत चतुर्दशी पर गणपति विसर्जन के पूर्व आचार्यों ने विधि विधान से पूजा करवाई। तत्पश्चात विघ्नहर्ता गणेश महोत्सव के समापन पर मंत्रोच्चार और शंख ध्वनि के बीच गणपति की आरती उतारी गई उसके बाद विसर्जन हेतु जयकारों के साथ गणपति की शोभायात्रा निकली गणपति विसर्जन की बेला पर भक्तों के चेहरे पर भगवान की विदाई का कष्ट भी दिखाई दिया।बुद्धि और ऋद्धि-सिद्धि के दाता से अगले वर्ष फिर से आने की कामना की गई ढोल नगाड़ों के साथ धूमधाम से गौरी पुत्र गणेश को विदाई दी की गई शुभ मुहूर्त में गजानन को विधि पूर्वक जल में विसर्जित किया गया गणेश जी को विसर्जित करते समय उनकी दिव्य आरती हुई और फिर उनको अबीर और गुलाल के साथ विदाई गीत गाते हुए विदा किया गया मान्यता है कि बप्पा आपके सभी कष्टों को ले जाते हैं और घर में सुख- समृद्धि का वास होता है।

शिक्षा एकता, अनुशासन सफलता के अभिन्न अंग : राज्यसभा सांसद

जसरा। विकास के लिए एकता,अनुशासन एवम शिक्षा बहुत आवश्यक है। यदि हम इन तीनो तथ्यों कों अपने जीवन मे नहीं अपनाएंगे तो किसी भी क्षेत्र मे सफलता प्राप्त करना बहुत मुश्किल होगा उक्त बातें मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी नें प्रयागराज भ्रमण के दौरान अपने सम्मान समारोह के दौरान व्यक्त किये। आगे उन्होंने युवाओं से नशा, सामाजिक कुरुतियों कों जड़ से उखाड़ कर फेकने के लिए भी प्रोत्साहन के साथ हर संभव मदद करने के लिए भी वचन दिए।उक्त सम्मान समारोह मे उन्होंने पर्यावरण क्षेत्र मे व्यापाक बदलाव लाने के लिए जन्मदिन, शादी सालगिरह इत्यादि अवसरों पर वृक्षारोपण करने एवम जल की एक -एक बूँद कों सहेजने के लिए भी प्रेरित किये।अपने उद्बोधन के समापन मे राज्यसभा सांसद श्री सोनी जी नें सामाजिक एकता एवम समाजसेवा के लिए स्वर्णकार युवाक्रांति मंच के प्रदेश सचिव युवा समाजसेवी विकास कुमार सोनी के प्रयासों की सराहना करते हुए हर संभव मदद करने का वचन भी दिए।इस अवसर पर स्वर्णकार युवा क्रांति मंच उत्तर प्रदेश के सचिव विकास सोनी के नेतृत्व मे सम्मान समारोह मे माल्यार्पण के साथ भगवत गीता भेंट करके सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संदीप सोनी, रवि सोनी, राजेश सोनी, धनश्याम स्वर्णकार, आशीष सोनी, रंजीत सेठ, अजय सोनी, गोविन्द समेत अन्य स्वर्णकार बंधु उपस्थित रहें।

नीरस जीवन को सरसता प्रदान करती है कविता : शरद मिश्रा

अखंड भारत संदेश

कविता लेखन के गुर सिखाते वरिष्ठ कवि

घूरपुर। लोक संस्कृति विकास संस्थान प्रयागराज की ओर से राष्ट्र भाषा हिंदी के हित में राजकीय अभिनव विद्यालय दांदूपुर प्रयागराज के पुस्तकालय हॉल में आयोजित पांच दिवसीय कविता लेखन कार्यशाला 'कलमकार' का उद्घाटन धारावाहिक झांसी की रानी सहित दर्जनों हिट धारावाहिकों के कथा पटकथा संवाद लेखक मेराज जैदी ने किया। कविता लेखन कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक कवि एवं लेखक शरद कुमार मिश्र ने कविता क्या है विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आदमी बनने की प्रथम प्रक्रिया और सामान्य जीवन में जब छोटी उम्र में ही हम शिक्षा, संस्कृति और संस्कार की कार्यशाला कहे जाने वाले विद्यालयों से जुड़ते हैं तो यहां भी कविता हमारे साथ होती है। प्रार्थना से लेकर याचना के स्वर तक, राहों से लेकर घर तक, मनन से लेकर चिंतन तक, सुबह से लेकर शाम तक और अल्लाह से लेकर राम तक यही कविता भाषा के पैमाने पर हमें सरलता, सरसता और सुगमता से जीना सिखाती है। कविता हमारे नीरस जीवन को सरसता प्रदान करती है। प्रशिक्षक कवि एवं गीतकार शिवम भगवती ने कविता और मनुष्य विषय पर प्रकाश डालते हुए कविता कैसे रचें विषय पर प्रकाश डाला वहीं प्रशिक्षक कवयित्री योगिता सिंह ने कविता रचने में अध्ययन के महत्व पर अपने विचार रखे। कार्यशाला में कक्षा 7 से लेके कक्षा 12 तक के कुल 40 बालक-बालिका प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला में प्रशिक्षित विद्यार्थी 14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित कवि सम्मेलन में स्वरचित कविताओं का कविता पाठ करेंगे। कार्यशाला में आए सभी अतिथियों का प्रधानाचार्य राजकीय अभिनव विद्यालय डॉ आर. डी. शुक्ला ने अंगवस्त्रम व श्रीफल देकर स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ शिक्षाविद प्रेम शंकर पाण्डेय ने किया।

न्यूज झरोखा

महाप्रबंधक उत्तर रेलवे ने जंघई जंक्शन पर हार्डकोर डिवाइस का किया उद्घाटन

जंघई। महाप्रबंधक उत्तर रेलवे आशुतोष गंगल ने जंघई जंक्शन पर शनिवार को फीता काट कर हार्डकोर डिवाइस का उद्घाटन किया। स्पेशल रेल यान से शनिवार दोपहर में अपने दल बल के साथ महाप्रबंधक जंघई पहुंचे। 40 मिनट प्रवास के दौरान उन्होंने ट्रेनों की सुरक्षा के लिए नव निर्मित हार्डकोर डिवाइस का उद्घाटन करते हुए कहा कि ट्रेन की पहिया, कपलिंग आदि की समस्या आने पर यह डिवाइस कंट्रोल रूम को अवगत करा देगी जिससे कभी कभार होने वाली दुर्घटना को रोका जा सकेगा।इस दौरान उन्होंने जंघई स्टेशन पर निमार्णाधीन पावर केबिन, प्लेटफार्म नम्बर 1 से 5 तक बन रहे ओवर ब्रिज, कंट्रोल रूम आदि का निरीक्षण किया।इस अवसर पर उनके साथ उत्तर रेलवे लखनऊ के डीआरएम एसके सापरा, टीसीआई समेत एसएस जंघई वकील सिंह, इडब्लूआई ज्ञानेंद्र मिश्रा, आरपीएफ कमान्डेंट अभिषेक कुमार, इंस्पेक्टर अशोक कुमार, एसआई दीपक कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशकों की बैठक संपन्न

करछना। विकास खड के प्रांगण में उत्तर प्रदेश अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशक संघ की बैठक शनिवार को आहूत की गई जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष शकील खान की अध्यक्षता में हुई इस अवसर पर उत्तर प्रदेश अनौपचारिक शिक्षा अनुदेशक पर्यवेक्षकों वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राम नाथ त्रिपाठी मुख्य अतिथि रहे संचालन ब्लॉक अध्यक्ष जीत लाल कुशवाहा ने किया अपने वक्तव्य में अध्यक्षीय भाषण करते हुए बताया कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 18 अगस्त 2022 से पूरे प्रदेश में अनुदेशकों और पर्यवेक्षकों को लक्ष्य मिलेगा हाई कोर्ट का कार्य होना अनिवार्य है कोर्ट के आदेश पर शासन शीघ्र ही निर्णय लेगा जो अनुदेशकों के हित में होगा ? तथा संगठन के प्रति आश्वस्त रहें इस अवसर पर मेवालाल शेबा परवीन आफताब अहमद नागेंद्र प्रसाद जीतलाल मथुरा प्रसाद बरम देवी रोशन लाल राजेश्वर प्रसाद शिवलाल इंद्रजीत शकील खान आज बड़ी संख्या में अनुदेशक उपस्थित रहे।

बिना वाद के कार्यकताओं का पार्टी में सम्मान : लक्ष्मण आचार्य

अखंड भारत संदेश

सहसों। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ हैं कार्यकर्ता ही घर घर जन जन जाकर संगठन की नीति रीति बतलाता है। संगठन में बिना किसी दायित्व के भी संगठन के प्रति निष्ठा भाव रखकर मतदाताओं से हर मुद्दों पर बहस करता है भाजपा के हर मुद्दे को प्रबलता से रखता है। और बातों के प्रतिद्वंदिता का सामना करता है। भाजपा ही अपने कार्यकताओं को देवतुल्य कार्यकर्ता की उपाधि देती है। कार्यकर्ता को योग्यता व क्षमता के आधार पर पद से सुशोभित भी किया जाता है। यह कार्य केवल भाजपा ही करती है भाजपा में न जाति वाद,न वंशवाद, न परिवार वाद,न अगड़ा वाद न पिछड़ा वाद है यहां तो केवल कार्यकर्ता का योग्यता क्षमता के आधार पर दायित्व समय समय देकर सम्मानित किया जाता। उक्त बातें शनिवार को मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष जिला प्रभारी एवं विधान परिषद सदस्य लक्ष्मण आचार्य ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन को सेवा सप्ताह के रुप में मनाने हेतु तैयारी बैठक में छत्रपति शिवाजी डिग्री कालेज सहसों में कही। उन्होंने उपस्थित कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा आगामी 17 सितम्बर 2022 को भारत के यस्शवी प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन को सेवा सप्ताह के रुप में संगठन द्वारा मनाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने सेवा सत्ता कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए बताया कि 1अक्टूबर को वृक्षारोपण कार्यक्रम व 2अक्टूबर गाँधी जयन्ती एंव लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती मलाई जाएगी। उक्त सभी कार्यक्रम जिला स्तर,मण्डल स्तर,शक्तिकेन्द्र स्तर पर आयोजित होगे।बैठक की अध्यक्षता अश्विनी कुमार द्विवेदी जिला अध्यक्ष एवं संचालन जिला महामंत्री मनोज निषाद ने किया। बैठक में प्रमुख रूप से क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव, सांसद केशरी देवी, जिला पंचायत अध्यक्ष बी.के.सिंह, सदस्य विधान परिषद निर्मला पासवान, पूर्व जिला अध्यक्ष अमरनाथ त्रिपाठी, कन्हैया लाल पाण्डेय, पूर्व विधायक प्रभाशंकर पाण्डेय, रमाशंकर शुक्ल, जिला महामंत्री जीतलाल त्रिपाठी, ब्लाक प्रमुख फूलपुर विपेन्द्र सिंह पटेल, हरिभूषण सिंह, जिला मिडिया प्रभारी बृजेश कुमार त्रिपाठी, जिला संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ रमेश कुमार द्विवेदी, जय प्रकाश द्विवेदी, कविता पटेल, जिला उपाध्यक्ष किरन त्रिवेदी एवं अनिरुद्ध सिंह पटेल, श्याम विहारी पाण्डेय, रामपलट पटेल, मनु प्रताप सिंह, आशीष भारतीया, नवीन पटेल, ईश्वर चन्द्र विन्द , अन्जनी पाण्डेय, राकेश शुक्ल, गिरजा शंकर पाण्डेय तथा सभी मण्डल अध्यक्ष सहित सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

काव्य के नौ रस,बरखा ऋतु के नौ नक्षत्रों की तरह : अशोक

करछना। काव्य साहित्य के नौ रसों की प्रवृत्ति जिस तरह से सर्जना के कलेवर में उतर कर साहित्य धरातल को संतृप्त करती है ठीक उसी प्रकार वर्षा ऋतु के नौ नक्षत्रों की प्रकृति धरती को हरे-भरे परिधान से सजाकर तृप्त करती है। अवधी भाषा मेंअर्द्रा, पुनर्वसु, चिरैया, सरेखा, मघा उत्तरा, हथिया, चित्रा, सेवाति के नाम से चर्चित वर्षा ऋतु के प्रमुख नौ नक्षत्र जिस प्रकार से अपनी प्रकृति से पहचाने जाते हैं ठीक उसी प्रकार यह नौ रस भी काव्य सृजन में इसी परिधि के एहसास से जुड़े हुए हैं। कहीं चिरैया की बहार में पुरवा हवा के झोंके के साथ रिमझिम फुहारें हमें श्रृंगार के एहसास से जोड़ती है तो कहीं तेज तूफान के साथ मूसलाधार बारिश का वीभत्स रूप एक अलग तेवर के साथ हथिया नक्षत्र में देखने को मिलता है। स्वाति नक्षत्र की पावन बूंदे हमें अध्यात्म के अद्भुत रस का पान कराती हुए करुण रस से सराबोर करती हैं तो वहीं तपती धरती के मन को पढ़ कर बादलों की कोख से निकलकर धरती की प्यास बुझाने को आकुल अद्रा नक्षत्र की बूंदों के बीच भी साम्यता का अनूठा तार्तम्य में देखने को मिलता है। उत्तरा जाय निखतरा,कि बरसै गोलाधार,जैसी कहावतों के साथ यह नक्षत्र कभी-कभी हास्य का पर्याय बन जाता है। कुल मिलाकर नौ रसों और 9 नक्षत्रों के बीच काफी दूर-दूर तक अपना एक संदर्भ,सम्बध और समान प्रतिरूप समझा जा सकता है। यह बातें एसीआईटी साधु कुटी में हिंदी पखवाड़े में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान माटी के गीतों का बदलता लोकरंगऔर पारम्परिक गीतों पर शोध कर रहे चर्चित हास्य कवि अशोक बेशरम ने कही। प्रकृति के साथ मौसम की साम्यता को जोड़ते हुए उन्होंने हिन्दी को समर्पित जनरल में कहा-सावन कै कजरी झुलना,और फागुन फाग की तान है हिन्दी। जायद के खरबूजा सी मीठी है,खास खरीफ कै धान है हिन्दी। भाषा की बाढ़ में गाढ़ परै यदि, शान कै ऊंची मचान है हिन्दी। बच्चों ने भी काव्य सृजन के कई टिप्स सीखते हुए अपनी अपनी स्वरचित कविताएं प्रस्तुत की।अध्यक्षता वरिष्ठ लोक गायक रामअवध यादव और संचालन कुंवर सिंह ने किया।

जाति छिपाकर पुत्र की शादी कर दी और दहेज में मांगा स्कार्पियो

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। जाति छिपा कर अपने पुत्र की शादी कर दी। बाद में स्कार्पियो की मांग करने लगे। हकीकत पता चलने पर विवाहिता ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर फ्राड और दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करा दी है। बात दें कि मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सिंसई सिपाह निवासी महेश सिंह गुजरात में वाहन चलाते हैं। वहीं पर गुजरात के निवासी घनश्याम से मुलाकात हो गई। दोनों के बीच शादी की बातें होने लगी। जब महेश सिंह ने घनश्याम से पूछा तुम किस जाति के हो वह अपने को राजपूत बताया। महेश सिंह ने कहा कि उसकी पुत्री शालनी सिंह है अपने पुत्र जयदीप से कर दो। घनश्याम और महेश सिंह के बीच रिश्ता तय हो गया। बताया गया है कि 14 अक्टूबर 2021 को कोरोना होने के कारण शालनी सिंह और जयदीप का कोर्ट मैरिज हो गया। कुछ दिनों के बाद जयदीप का परिवार स्कार्पियो दहेज में मांगने लगे। बताते हैं कि जब शालनी सिंह को पता चला कि जयदीप का परिवार राजपूत नहीं है वह पटेल जाति का है ।वह इसकी सूचना अपने पिता को दी और दोनों गांव सिंसई सिपाह चले आए। शालनी सिंह ने मऊआइमा थाने में पति पटेल जयदीप ,ससुर घनश्याम पटेल ,सास हंसबेन पटेल ,ननद मित्तल पटेल ,दो अगुवा नाम अज्ञात निवासनीय प्लाट नम्ब 152 स्वास्तिक पार्क दो नियर काम्प्लेक्स सिंहास्क रोड भावनगर अलंग भावनगर गुजरात के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और. फ्राड का मुकदमा दर्ज करा दी है।

श्राद्ध और तर्पण से पितर देंगे आशीष, धन-धान्य से भरा रहेगा घर

पहले दिन संगम तट पर श्राद्ध करने वालों का लगा तांता, देश के कोने-कोने से श्राद्ध व पिंडदान करने प्रयाग आते हैं लोग

आलोक गुप्ता

पशु-पक्षियों को डालें भोजन

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि पितृपक्ष में पशु-पक्षियों के लिए भी भोजन का एक अंश जरूर डालना चाहिए। किसी सुयोग्य ब्राह्मण के जरिए ही श्राद्ध कर्म करवाना चाहिए। श्राद्ध में पूरी श्रद्धा से ब्राह्मणों को दान के साथ-साथ किसी गरीब, जरूरतमंद की सहायता करने से बहुत पुण्य मिलता है। इसके साथ-साथ गाय, कुत्ते, कौवे आदि पशु-पक्षियों के लिए भी भोजन का एक अंश जरूर डालना चाहिए।

गंगा तट पर श्राद्ध सबसे उत्तम

यदि संभव हो तो गंगा नदी के किनारे पर श्राद्ध कर्म करवाना शुभ माना जाता है। यदि गंगा नदी के तट पर पहुंच पाना संभव न हो तो इसे घर पर या परिवार, समाज की मान्यता के अनुसार निर्धारित स्थलों पर भी श्राद्धकर्म कर सकते हैं। जिस दिन श्राद्ध हो उस दिन ब्राह्मणों को भोजन अवश्य करवाना चाहिए। भोजन के बाद दान-दक्षिणा देकर उन्हें संतुष्ट करें और चरण स्पर्श कर विदा करें।

शंकरगढ़। भाद्रपद मास की पूर्णिमा, यानी 10 सितंबर, 2022 से पितृपक्ष की शुरूआत हो गई है। हिंदू धर्म में पितृपक्ष का काफी महत्व है। पूर्वजों को याद करने, उनका आशीष पाने के लिए पूरी श्रद्धा के साथ पितृपक्ष मनाया जाता है और पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। पितृपक्ष आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि तक रहता है। इसे श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि पितृपक्ष में श्राद्ध और तर्पण से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है।पितृपक्ष में प्रयागराज का भी महत्व बढ़ जाता है। अब अगले 15 दिन तक संगम क्षेत्र श्राद्ध और पिंडदान करने वालों की भीड़ से गुलजार रहेगा। पितृपक्ष के पहले दिन भी भारी संख्या में लोगों ने सिर मुंडवाया और श्राद्ध कर्म किया। संगम में श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान के लिए देश के कोने-कोने से लोग पहुंचते हैं। शिक्षक और ज्योतिषाचार्य पंडित त्रियुगीकांत मिश्र कहते हैं कि पितरों के खुश और संतुष्ट न करने के कारण जीव को भौतिक जगत में काफी संताप का सामना करना पड़ता है। जिसे हम पितृदोष के नाम से भी जानते हैं। इस कारण दुख, दरिद्रता, धन हानि, मानसिक कष्ट, बीमारी आदि की समस्याएं बनी रहती हैं। पितृ पक्ष में लोगों को अपने पितरों की मुक्ति और मोक्ष की कामना के साथ श्राद्ध, पिंडदान, दान-दक्षिणा, भोज आदि करना चाहिए। पितृपक्ष में पितरों को श्राद्ध अर्पित करते समय तिथि, नाम और गोत्र सही होने पर ही अर्पित भोग पितरों को प्राप्त होता है। इसलिए श्राद्ध करते समय नाम और गोत्र का विशेष ध्यान रखना चाहिए। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि पितरों को नमन करने के लिए हम मंत्रों का जाप कर सकते हैं। इसके उपरांत हर दिन स्नान के बाद तर्पण के लिए कुशा, अक्षत, जौ और काला तिल से तिलांजलि देनी चाहिए और पितरों से अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगें। बताया कि यदि आप पितरों को खुश नहीं कर पाते हैं तो उनकी नाराजगी भारी पड़ सकती है। इसके अलावा यदि पितृदोष से मुक्ति चाहते हैं तो आपको प्रत्येक दिन पितृ सूक्तम का पाठ करना चाहिए। इसके पाठ से पितृदोष दूर होगा और समस्याएं धीरे-धीरे दूर होने लगेंगी। यह पाठ रोजाना शाम के वक्त करना चाहिए।

खबर संक्षेप

विद्यालय प्रबंधक के घर से बच्चों की रखी फीश चोरों ने उड़ाया

जसरा। जसरा के एक विद्यालय प्रबंधक के सुनसान आवास और विद्यालय में चोरों ने मौका पाकर रात में बच्चों के फीस के रखे दस हजार रुपए उड़ाए। घटना के बारे में बताया जाता है कि जसरा स्थित मोतीलाल सरस्वती पूर्व माध्यमिक विद्यालय बुदांवा के प्रबंधक सुशील शुक्ला की मां के निधन के चलते पूरा परिवार गांव में रुका हुआ था। घर और विद्यालय को सुनसान देख करके चोरों ने कमरों में ताला तोड़कर घुसकर तलाशी लिया। घर में कुछ ना मिलने पर विद्यालय की एक आलमारी में रखा हुआ ?10000 उठा ले गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर प्रबंधक सुशील शुक्ला ने जाकर के घूरपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई तथा पुलिस ने टनास्थल का निरीक्षण किया।

बाघंबरी मठ : महंत नरेंद्र गिरि की यादों को संजोने के लिए बनेगा संग्रहालय

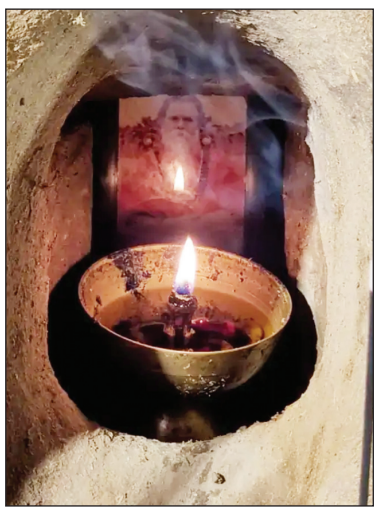

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मंत्रोच्चार के साथ समाधि पूजन, आरती के साथ शनिवार को मठ बाघंबरी गद्दी में देश भर से आए साधु-संतों ने प्रथम पुण्य तिथि पर ब्रह्मलीन महंत नरेंद्र गिरि को नमन कर मठ-मंदिरों के विकास उनके योगदान को याद किया। इस मौके पर समाधि स्थल पर भव्य मंदिर बनवाने और नरेंद्र गिरि की निशानियों को संरक्षित करने के लिए संग्रहालय निर्माण की घोषणा की गई। समाधि स्थल पर पूजा, आरती के बाद दिन के 10 बजे मठ परिसर में श्रद्धांजलि सभा हुई। इसमें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़े के सचिव महंत रविंद्र पुरी महाराज, अखाड़ा परिषद के महामंत्री व जूना अखाड़े के संरक्षक महंत हरि गिरि के अलावा कई महामंडलेश्वरों, पीठाधीश्वरों और महंतों ने समाधि पर पुष्प अर्पित करने के बाद नरेंद्र गिरि की स्मृतियों को ताजा किया। महंत हरि गिरि ने कहा कि मठ, मंदिरों और सनातन परंपरा के विकास, कुंभ मेला, माघ मेला के विस्तारीकरण में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। वह जीवट संत थे।इस दौरान महंत की समाधि पर पुष्प अर्पित करने के लिए संतों-भक्तों का तांता लगा रहा। समाधि स्थल पर ही बटुकों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन भी किया। मठ बाघंबरी गद्दी के पीठाधीश्वर बलबीर गिरि ने समाधि स्थल पर मंदिर का निर्माण कराकर महंत की आदमकद प्रतिमा लगाने और उनकी यादों को संजोने के लिए संग्रहालय का निर्माण कराने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि महंत नरेंद्र गिरि की स्मृतियों को संजोने और पीढ़ी दर पीढ़ी याद रखने के लिए उनकी निशानियों को एक स्थान पर श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए रखा जाएगा। मठ बाघंबरी गद्दी परिसर में ही इसके लिए भव्य संग्रहालय का निर्माण कराया जाएगा।

शिवपाल यादव ने भी बाघंबरी मठ में अर्पित की श्रद्धांजलि

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे महंत नरेंद्र गिरि की प्रथम पुण्यतिथि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, संतों ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रगतिशील समाज पार्टी (लोहिया) के अध्यक्ष शिवपाल यादव भी पुण्य तिथि पर पहुंचे। उन्होंने भी प्रसाद ग्रहण किया और नरेंद्र गिरि को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

15 सौ लीटर दूध से बनी विशेष खीर

महंत नरेंद्र गिरि को खीर बहुत पसंद थी, इसलिए प्रथम पुण्यतिथि पर 15 सौ लीटर दूध से विशेष खीर बनाकर परोसी गई। इसके अलावा उनकी पसंद के खई व्यंजन तैयार किए गए। भोजन में दो तरह की सब्जी, कचौरी, खीर और रायता परोसा गया।

बिना परमिट के सड़कों पर फरार्टे भर रहे डग्गामार वाहन

रत्योरा। उत्तर प्रदेश सरकार भले ही डग्गामार वाहनों पर कार्यवाही का फरमान जारी किया हो किंतु जमीनी हकीकत कुछ अलग ही बयां कर रही है।कोरांव क्षेत्र में इस समय बिना परमिट के ही डग्गामार वाहन सड़कों पर फरार्टा भरते देखे जा रहे हैं। सड़कों पर दौड़ रहे डग्गामार वाहनों पर यात्री अपनी जान जोखिम में डालकर यात्रा कर रहे हैं, किंतु जिम्मेदार अधिकारी व इलाकाई पुलिस मामले को लेकर मूकदर्शक बने हुए हैं। डग्गामार वाहनों के अलावा कोरांव क्षेत्र में इस समय ओवरलोड वाहनों की भी भरमार देखी जा रही है। चचाओं पर गौर करें तो ओवरलोड वाहनों से इलाकाई पुलिस अवैध वसूली करने का काम करती है। डग्गामार वाहन ओवरलोड वाहनों के आवागमन से बाजार में आए दिन जाम भी लगता रहता है। स्कूल टाइम में भी ओवरलोड पर डग्गामार वाहनों पर कोई पाबंदी नहीं लगाई जाती है जिससे छोटे बच्चों को स्कूल आने जाने में भी असुविधाएं होती है। क्षेत्र में अवैध कार्य इस तरह से हो रहे हैं और अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद है कि आए दिन घटनाएं घटित हो रही हैं। पुलिस व प्रशासन का चाहे अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले लोग हो अथवा अवैध खनन में संलिप्त लोग कोई खौफ नहीं रह गया है।

एनसीआर दर्ज है तो बिना मजिस्ट्रेट की अनुमति के पुलिस असंज्ञेय अपराध की नहीं कर सकती विवेचना

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि संज्ञेय अपराध की प्राथमिकी की पुलिस को दंड प्रक्रिया संहिता के तहत विवेचना कर रिपोर्ट पेश करने का पूरा अधिकार है। किन्तु, असंज्ञेय अपराधों में ऐसा नहीं है। अंसज्ञेय अपराध में दर्ज रिपोर्ट पर पुलिस अपने आप विवेचना नहीं कर सकती। विवेचना करने से पूर्व न्यायिक मजिस्ट्रेट से अनुमति लेनी होगी।यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने शिवम सोलंकी की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने कहा कि मजिस्ट्रेट से अनुमति लिए बगैर पुलिस विवेचना अवैध है और इसके आधार पर सारी कार्यवाही विधि विरुद्ध है। कोर्ट ने कहा चार्जशीट संज्ञेय अपराध की है। जबकि, केस के तथ्य से संज्ञेय अपराध का खुलासा नहीं करते। असंज्ञेय अपराध के आरोप की बिना मजिस्ट्रेट की अनुमति के विवेचना कर चार्जशीट दाखिल करना धारा 155 (2) के खिलाफ है। इसलिए पुलिस चार्जशीट भी अवैध है। इसलिए पूरी कार्यवाही अवैध हो जायेगी । कोर्ट ने कहा पीड़िता ने 164 के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान मे दुष्कर्म का पहली बार आरोप लगाया। इससे पहले ऐसा नहीं था। कोर्ट ने कहा अपराध हुआ है या नहीं, यह पीड़िता व चश्मदीद के बयान से तय होगा। कोर्ट ने कहा आरोपी छात्र है। झूठे आरोप उसके भविष्य को बर्बाद कर सकते हैं। पीड़िता के बयान में तारतम्यता नहीं है। इसलिए उसके बयान विश्वसनीय नहीं है। कोर्ट ने आगरा की अदालत में चल रही पूरी आपराधिक कार्यवाही को अवैध करार देते हुए रद कर दिया है। याची के खिलाफ आगरा के हरिपर्वत थाने में एनसीआर दर्ज हुई। इसके बाद पुलिस ने विवेचना कर चार्जशीट दाखिल की। सीजेएम आगरा ने रिपोर्ट पर संज्ञान लेकर सम्मन जारी किया। जिसे चुनौती दी गई थी।शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसकी बेटी को आरोपी ने रामनगर कालोनी के गेट पर बुलाया और साथियों के साथ पीड़िता से गाली गलौज की। मारपीट की। असंज्ञेय अपराध की एफआईआर दर्ज की गई। नियमानुसार विवेचना से पहले मजिस्ट्रेट से अनुमति लेनी चाहिए थी। ऐसा नहीं किया और चार्जशीट दाखिल कर दी।

भाजपा एमएलसी की सीएम योगी से शिकायत करेंगे शिवपाल

भूमि पर कब्जे का आरोप

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सपा सरकार में दर्जा प्राप्त मंत्री रहे लल्लन राय के आवास पर शनिवार को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव की ओर से भाजपा एमएलसी सुरेंद्र चौधरी पर भूमि कब्जा का आरोप लगाने के बाद जमकर हंगामा हुआ। भूमि कब्जा के आरोपों की जानकारी मिलने के बाद पड़ोस में रहने वाले भाजपा एमएलसी के समर्थकों ने वहां पहुंचकर शिवपाल मुदार्बाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस पर प्रसपा समर्थक भी सामने आकर शिवपाल जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। भाजपा एमएलसी पर गुंडा-माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया जाने लगा। पुलिस ने किसी तरह दोनों दलों के समर्थकों को वहां से अलग किया। शिवपाल यादव ने कहा कि वह भूमि कब्जे के इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से करेंगे।

शिवपाल की प्रेसवार्ता के दौरान हंगामा

भाजपा एमएलसी सुरेंद्र चौधरी और प्रसपा नेता लल्लन राय दोनों पड़ोसी हैं। शनिवार को दिन के करीब 11 बजे जगराम चौराहे पर स्थित लल्लन राय के आवास पर शिवपाल यादव की प्रेसवार्ता के बाद तब हंगामा शुरू हो गया, जब भूमि कब्जा के आरोप को लेकर भाजपा एमएलसी के दर्जनों समर्थक वहां पहुंचकर नारेबाजी करने लगे। दरअसल लल्लन राय के घर के बगल में ही एमएलसी का आवास है।प्रेसवार्ता के दौरान प्रसपा अध्यक्ष का कहना था कि भाजपा एमएलसी ने लल्लन राय के आवासीय परिसर की भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया है। इसकी शिकायत वह सीएम से करेंगे। लल्लन राय ने भी एमएलसी पर गुंडा-माफिया को संरक्षण देने और भगवा रंग का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि आवास के बगल से ही 14 फीट का उन्होंने अपनी जमीन पर ही रास्ता दिया था। इसी रास्ते की भूमि पर एमएलसी ने गार्ड रूम बनाने के साथ ही वहीं पर जनता दरबार लगाने लगे हैं। इतना ही नहीं उसी रास्ते पर भगवा रंग का बोर्ड भी लगा दिया गया है।

शिवपाल मैनपुरी से नहीं लड़ेंगे चुनाव

शिवपाल यादव कहा कि जब तक नेताजी मुलायम सिंह यादव मैनपुरी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, तब तक वह इस सीट से चुनाव लड़ने के बारे में सोच भी नहीं सकते। हां, अगर नेताजी कहेंगे तो वह विचार कर सकते हैं। लेकिन, वह चाहते हैं कि नेताजी ही चुनाव लड़ें। मेरे ऊपर भूमि कब्जा के लगाए गए आरोप राजनीति से प्रेरित : एमएलसी भाजपा एमएलसी सुरेंद्र चौधरी ने देर शाम कहा कि प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव और दर्जा प्राप्त मंत्री लल्लन राय की ओर से उन पर लगाए गए आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि भूमि कब्जा के आरोप उनकी छबि धूमिल करने के लिए लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिस भूमि पर कब्जे की बात कही जा रही है, वह आम रास्ता है और वहां किसी तरह का विवाद नहीं है। लल्लन राय को गेट पर लगे भगवा ध्वज को लेकर आपत्ति है, जो उनकी द्वेष भावना को उजागर करती है। एमएलसी ने कहा कि प्रसपा नेता की बेनामी संपत्ति की जांच की जानी चाहिए।

न्यूज झरोखा

हिन्दू-मुस्लिम ने मिलकर मनाया गणपति उत्सव

जंघई। भोगीपुर, सेमरी गांव में पहली बार गणपति स्थापना वैदिक मंत्रोच्चारण एवं गाजे बाजे ढोल नगाड़ों के साथ गणेश चतुर्थी को हुआ। जिसमें अनंत चतुर्दशी तक पूजन अर्चन आरती भजन एवं प्रसाद का आयोजन भक्तों द्वारा किया गया।आयोजन गांव के अरविंद कुमार साहू द्वारा प्रथम वर्ष किया गया। जिसमें गांव के सभी हिन्दू मुस्लिम एकता की मिसाल पेश करते हुए प्रशन्न मुद्रा में बढ़ चढ़कर सहयोग भी किया। अनंत चतुर्दशी को हवन होने के बाद प्रसाद भंडारे का भी आयोजन हुआ।विशेष बात यह रही कि भोगीपुर के मुस्लिम भाइयों में गणपति पूजा को लेकर गजब का उत्साह रहा गांव के सभी मुस्लिम भाईयों ने यथा शक्ति आर्थिक सहयोग के साथ साथ शारीरिक सहयोग भी किया प्रत्येक दिन सुबह शाम की आरती में भी उपस्थित होकर प्रसाद भी लिए जो कि हमारे गांव और क्षेत्र के लिए मिसाल है।

नीट परीक्षा की सफलता पर विधायक ने किया सम्मानित

रत्योरा। वर्ष 2022 की नीट परीक्षा पास कर क्षेत्र को गौरवान्वित करने वाले उल्दा गांव के छात्र नयन कुशवाहा पुत्र राधे मोहन कुशवाहा को भाजपा विधायक राजमणि कोल ने अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, बस उन्हें निखारने की जरूरत है। उन्होंने अन्य छात्र छात्राओं को नयन कुशवाहा से प्रेरणा लेकर कड़ी मेहनत कर पढ़ाई करने की अपील करते हुए कहा कि जो भी छात्र कड़ी मेहनत से पढ़ाई करेगा उसे सफलता अवश्य प्राप्त होगी। विधायक राजमणि कोल ने उत्कृष्ट सफलता अर्जित कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले छात्र नयन कुशवाहा को मिष्ठान खिलाकर मुंह मीठा कराया और माता-पिता को बच्चे की सफलता पर शुभकामनाएं व बधाई दी। विधायक ने छात्र को कड़ी मेहनत कर आगे भी सफलता अर्जित करने की शुभकामनाएं दी। इस दौरान विधायक के साथ प्रमुख रूप से विधायक पीआरओ रामाश्रय शुक्ला समेत कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आठ माह से जलापूर्ति बंद, पानी पीने को लेकर भीषण संकट

लालापुर। शंकरगढ़ विकास खंड के गोइसरा ग्राम पंचायत में टंकी से पानी की आपूर्ति करीब आठ माह से बंद है। इससे सात मजरों के करीब दो हजार से ज्यादा लोग परेशान हैं। इलाकाई लोगों के मुताबिक गोइसरा ग्राम पंचायत के लिए सरकार की ओर से पानी की टंकी बनवाई गई थी। यहां से गोइसरा,इछौरा,गर्ग का डेरा,तिवारी का डेरा,अश्वनीपुर, वदवदा, कोठरी बगिया समेत सात मजरों में जलापूर्ति के लिए पाइप लाइन बिछाई गई थी किन्तु अब आठ महीनों से पानी की सप्लाई नहीं हो रही है। गांवों में लगे ज्यादातर हैंडपंप खराब हैं। ग्रामीणों ने एक-एक गांव की पाइप लाइन दुरुस्त करने की फिरसे मांग की है। इससे कि बाकी मजरों में पानी की आपूर्ति हो सके। वहीं ग्राम सभा के समाजसेवी लोगो का कहना है कि पानी टंकी निर्माण समय ठेकेदार की ओर से घोर भ्रस्टाचार किया गया है जो आज आठ महीनों से सप्लाई बाँधित है।

पांच जीवित गोवंश के साथ एक पशु तस्कर गिरफ्तार

बारा। थाना बारा प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार ने आए दिन हो रही पशु तस्करी से निपटने के लिए मुखबिरो का जाल बिछाया प्रभारी निरीक्षक की मेहनत रंग लाई तथा शनिवार की शाम 6:00 बजे मुखबिर की सूचना पर बवनधर कंचनपुर मार्ग के पास से एक पशु तस्कर नाम अज्ञात समेत पांच जीवित गो वंशों को बरामद किया साथ में 2 पिकअप वाहन और एक मोटरसाइकिल बरामद किया बरामद अभियुक्त के 5 साथी भागने में सफल रहे जिनकी तलाश की जा रही है।

सेंट पीटर्स स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। मेजा क्षेत्र के जनवार गांव में स्थित सेंट पीटर्स को एजुकेशनल इंग्लिश मीडियम स्कूल के प्रधानाचार्य अंकिता खेरा ने अभिभावक शिक्षक बैठक के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रबंधक अभिषेक खेरा ने कहा कि अभिभावक शिक्षक बैठक बच्चे के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। हमें बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए माता-पिता के साथ-साथ शिक्षकों के समर्थन की आवश्यकता है।

अभिभावक-शिक्षक बैठक किसी भी स्कूल की महत्वपूर्ण गतिविधि में से एक है। पीटीएम शिक्षक और माता-पिता दोनों के लिए बच्चे की बेहतरी के लिए काम करने का एक शानदार अवसर है। पीटीएम छात्र के शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए आयोजित किया जाता है। यह बच्चे के प्रदर्शन को जानने और काम करने में मदद करता है। आज की दुनिया के सभी पहलुओं में शिक्षा का महत्व इसके अलावा, पीटीएम माता-पिता और शिक्षक को छात्र के प्रदर्शन के सकारात्मक संशोधन के लिए काम करने में सक्षम बनाता है। माता-पिता शिक्षक बैठक बच्चे के प्रदर्शन की बेहतरी के लिए एक दूसरे के साथ बातचीत करने का एक प्रभावी और उपयोगी तरीका है। यहां पीटीएम में शिक्षक और माता-पिता दोनों बातचीत करते हैं और अपनी समस्याओं और उन मुद्दों पर चर्चा करते हैं जो वे छात्र के लिए महसूस करते हैं। माता-पिता और शिक्षकों का आमने-सामने संचार उनके बच्चे की सीखने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षक के साथ-साथ यदि माता-पिता भी स्कूल की गतिविधि में शामिल हों, तो एक छात्र बेहतर कर सकता है और अकादमिक और गैर-शैक्षणिक दोनों प्रदर्शनों में सर्वोच्च रैंक प्राप्त कर सकता है। यही मुख्य कारण है कि स्कूल में पीटीएम महत्वपूर्ण है। स्कूलों में पीटीएम का महत्व दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। पीटीएम शिक्षक और माता-पिता के लिए एक प्रभावी और महान मंच है क्योंकि वे दोनों अपनी अंतर्दृष्टि साझा करते हैं और छात्र के दो पक्षों- मजबूत और कमजोर बिंदु को जानने में मदद करते हैं। और इससे बच्चे के समग्र भविष्य का विकास होता है। अभिभावक-शिक्षक बैठक बच्चे की शिक्षा में बदलाव लाने का एक तरीका है क्योंकि यह बच्चे में नए सकारात्मक बदलाव और दृष्टिकोण लाने में सक्षम बनाता है ताकि उनकी प्राथमिकता पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। शिक्षक और माता-पिता दोनों की भूमिका पारस्परिक रूप से स्पष्ट, निर्दिष्ट और इस तरह से डिजाइन की गई है कि यह छात्र के प्रदर्शन में सर्वश्रेष्ठ लाता है। हालांकि, पीटीएम आपको यह जानने में मदद करता है कि आपके बच्चे को क्या चाहिए और इसलिए स्कूल में पीटीएम को व्यवस्थित करना महत्वपूर्ण है।

टुडिहार गांव के तालाब में उतराती हुई मिली महिला की लाश

मेजा रोड। मेजा के टुडिहार गांव में तालाब मे महिला की लाश उतराती मिली जिससे कोहराम मच गया। सूचना पर पंहुची इलाकाई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के टुडिहार गांव निवासी रमेश पटेल की पत्नी संगीता देवी 9 सितंबर शुक्रवार की सुबह घर से निकली थी कुछ देर घर न लौटने पर परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन पता नही चला। वहीं शनिवार को गांव के ही तालाब में उसकी लाश उतराती मिली तो हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर थाना प्रभारी मेजा धीरेन्द्र सिंह, दरोगा इंद्रजीत यादव व दरोगा अतुल कुमार मिश्रा ने मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने लिखापढ़ी कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला का मायका मांडा थाना क्षेत्र के तिसेन तुलापुर गांव मे है। महिला को एक तीन माह का लड़का है। थाना प्रभारी मेजा धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि महिला के शरीर पर कोई चोट के निशान नही हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

जांच पड़ताल करती पुलिस

यूनाइटेड में डॉ अब्दुल कलाम जोनल स्पोर्ट्स फेस्ट-14 से 15 सितंबर को

अखंड भारत संदेश

नैनी। यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (यूआईटी), नैनी में दो दिवसीय डॉ अब्दुल कलाम जोनल स्पोर्ट्स फेस्ट आयोजन 14 और 15 सितंबर को किया जायेगा। इस वर्ष फेस्ट की मेजबानी यूआईटी को सौंपी गई है। ज्ञातव्य हो की इससे पहले इसकी मेजबानी शंभूनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, प्रयागराज ने नवंबर 2021 में की थी। शहर के पूर्व अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी और ओलंपियन अर्जुन अवार्डी अभिन्न श्याम गुप्ता मुख्य करेंगे। समापन समारोह और पुरस्कार वितरण 15 सितंबर को किया जाएगा। यूआईटी के प्राचार्य प्रो संजय श्रीवास्तव ने बताया की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। कहा की इस खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी खिलाड़ियों को उच्च प्रकार की सुविधाएं दी जाएंगी। यूआईटी के आशीष द्विवेदी जो इस आयोजन के जोनल स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर भी हैं, ने बताया कि प्रयागराज जोन के 8 जिलों से 800 से अधिक खिलाड़ी इसमें प्रतिभाग कर सकते हैं। इन जिलों में भदोही, जौनपुर, कौशांबी, मिजार्पुर, प्रयागराज, सोनभद्र, सुल्तानपुर और वाराणसी शामिल हैं।

खेल का आयोजन यूनाइटेड प्रांगण में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस दो दिवसीय स्पोर्ट्स मीट में फुटबॉल, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, बास्केट बॉल, बैडमिंटन, शतरंज, भाला फेंक, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, ऊंची कूद, खो-खो, कबड्डी, 100मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर और 4ग्100 मीटर रिले का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जोनल स्तर पर क्वालीफाई करने वाले सभी खिलाड़ी 29 और 30 सितंबर को लखनऊ के बाबू बनारसी दास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड

चेकिंग करने गए बिजली कर्मचारियों को दौड़ाकर पीटा

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के मलखानपुर गांव में बिजली का बकाया वसूलने और अवैध कनेक्शन की जांच करने गए बिजली विभाग के कर्मचारियों को कुछ लोगो ने जमकर पीटा। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने लाइन मैन की तहरीर पर चार नामजद व 15 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। क्षेत्र में अवैध कनेक्शन व बकायेदारों के खिलाफ बिजली विभाग अभियान चला रहा है। शनिवार को कोटवा फीडर से संचालित होने वाले मलखानपुर में लाइन मैन अमित जैन अपनी टीम के साथ चेकिंग करने गए थे। बकाया होने पर मौजीलाल का केबिल काटते ही मौजीलाल के लड़के व 10 से 15 अन्य लोग चेकिंग करने गई टीम से भीड़ गए मामला इस कदर बड़ा की लोग लाठी डंडे से बिजली कर्मियों को पीटना शुरू कर दिया लोगो ने बीच बचाव किया तब जा कर चेकिंग करने गई बिजली कर्मियों की जान बच पाई। लाइन मैन अमित जैन की तहरीर पर पुलिस ने रामू भारतीया, रिकू भारतीया, राजू भारतीया, पीपी भारतीया व 15 अज्ञात के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।

चोर समझकर ग्रामीणों ने तीन को पीटा

अखंड भारत संदेश

तीनों को अलग-अलग बांधकर गांव में चारों तरफ ग्राम वासियों ने घुमाया, तेलियातारा ग्राम सभा की है घटना

पकड़े गए तीनों अभियुक्त

सैदाबाद। हंडिया थाना क्षेत्र के सैदाबाद पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सभा तेलियाता में आधी रात को 1 घर को टारगेट बनाकर तीन शातिर चोर घर में दाखिल हो गए जैसे ही चोरों की भनक घर वालों को हुई घरवाले आस पास पड़ोस में बाहर आकर ऊंची आवाज में घर के बाहर आकर चोरी होने की आवाज लगाने लगे । जैसे ही गांव वालों को पता चला सभी कट्ठा होकर इन तीनों शातिर चोरों को घेर कर पकड़ लिया तथा इनकी पिटाई भी कर दी । तीनों शातिर चोर भागने के प्रयास में छत से कूद गए जिसकी वजह से इनके पैर में भी काफी चोटें आई है हालांकि ग्राम वासियों ने पुलिस को सूचना देकर इन तीनों को पुलिस के हवाले कर दिया है इस तरह की घटना आए दिन किसी न किसी गांव में सुनाई पड़ती रहती थी फिर भी पुलिस मानने को तैयार नहीं रहती मगर आज ग्राम वासियों की सूझबूझ से पुलिस को सबूत के साथ इन तीनों चोरों को पुलिस के हवाले कर दिया गया है । हालांकि गांव में कई तरह के अफवाहें सुनने को मिल रहे जब चोरी की जानकारी के लिए स्पेक्टर हंडिया से बात की गई तो इंस्पेक्टर हंडिया ने बताया कि तीन लड़के तेलियातारा गांव से पकड़े गए हैं तथा प्रेम प्रसंग का मामला प्रतीत हो रहा है जब तीनों अभियुक्तों के नाम पूछे गए तो स्पेक्टर हंडिया ने बताया कि प्रशांत यादव, विनोद गौतम, शेष बहादुर यादव यह सभी जगतपुर के पास बिरगापुर गांव के हैं।

पेयजल को लेकर एक महीने भर से परेशान हैं नैनी मोहल्ले वासी

अखंड भारत संदेश

नैनी। महीनों से अधिकारियों की लापरवाही के चलते नैनी वासियों को पेयजल को लेकर तरसना पड़ रहा है दो माह से अ रैल में वार्ड नंबर 71 नैनी प्रयागराज में 2 ट्यूबवेल जलने के कारण पूरे ग्राम सभा नगर क्षेत्र में पानी के लिए मची त्राहि-त्राहि संजय श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा प्रयागराज ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा जल निगम के द्वारा अरैलमें लगे 3 टेबल में दो दो-तीन माह से खराब पड़े हुए हैं लेकिन कोई अधिकारियों के कान पर जूं नहीं रेंग रही है। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि अगर 24 घंटे के अंदर अप्रैल म दोनों खराब ट्यूबेल नहीं बनाया गया इसकी शिकायत माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश महापौर प्रयागराज श्रीमती अभिलाषा गुप्ता जी से तत्काल की जाएगी।पानी न मिलने के कारण नंदन तालाब शिवनगर सोमेश्वर नाथ कर्बला सरस्वतीपुरम सोनिया भी निषाद बस्ती सच्चा बाबा नगर प्रयागराज टोला आदि जगहों में पानी की किल्लत ग्रामीणों के लिए मुसीबत बनी हुई है। आक्रोश व्यक्त करने वालों में संजय श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष मंडल महामंत्री रामजी श्रीवास्तव सेक्टर प्रभारी महेश वर्मा सेक्टर प्रभारी धीरू तिवारी वरिष्ठ भाजपा नेता पंडित दामोदर प्रसाद तिवारी वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदीप कुशवाहा बूथ अध्यक्ष डॉक्टर सुभाष कुशवाहा ऋषि उपाध्याय पहलाद पांडे मनोज पांडे सामाजिक कार्यकर्ता धीरज यादव सामाजिक कार्यकताओं ने अरुणेश यादव यादव त्रिभुवन सिंह यादव साहब लाल यादव विक्कू यादव मनोज तिवारी मनोज साहू बजरंग मानव समिति के अध्यक्ष शशि शर्मा राजेश दीक्षित अवधेश सिंह आदि ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त किया तत्काल पानी की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की।

सगे चारो भाई बहनों का इंडिया व एशिया बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज हुआ नाम

लालगंज के इटौरी गांव के सगे चारो भाई बहनों ने यूपीएससी में लहराया था परचम

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। मेहनत के बलबूते देश की सर्वोच्च परीक्षा में परचम लहराने के बाद देश की सेवा कर रहे चारों भाई बहनो ने अब विश्व स्तर पर कीर्तिमानों का रिकार्ड रखने वाली संस्थाओं में भी परचम लहराया है। सगे भाई बहनों ने देश की सर्वोच्च परीक्षा में स्थान बनाने के बाद अब इन चारों का नाम इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड व एशिया बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज हुआ है।

2013 में यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण कर आईएएस बने योगेश ने बताया कि इसके लिए छह माह पहले आवेदन किया गया था और सप्ताह भर पहले दोनों में नाम दर्ज होने की अधिकृत पुष्टि की गई। इसी माह सितंबर 2022 में दोनों संस्थाओं से सर्टिफिकेट व मेडल प्राप्त होगा। वहीं गिनीज बुक ऑफ रिकार्ड में भी हम चारों भाई बहनों का नाम दर्ज होने की प्रक्रिया भी चल रही है। योगेश का का कहना है कि शीघ्र ही खुद के मार्गदर्शन में वे एक वर्ष में सर्वाधिक अभ्यर्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित करवाने का रिकार्ड भी दर्ज कराने में सफल होंगे।

बीते आठ वर्षों में अभी तक 150 परीक्षार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल कराने में सफलता हासिल हो चुकी है। जिले की लालगंज तहसील के इटौरी मकनपुर निवासी बड़ौदा ग्रामीण बैंक में शाखा प्रबंधक से रिटायर्ड अनिल मिश्र के चारों बच्चे शुरू से ही मेधावी थे। इनके बेटे

गनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज होने की चल रही प्रक्रिया

लालगंज के इटौरी गांव के सगे चारों आईएएस, आईपीएस भाई-बहन।

योगेश व लोकेश और बेटी क्षमा व माधवी ने देश की सर्वोच्च परीक्षा यूपीएससी में सफलता हासिल कर परिवार के साथ ही जनपद का नाम रोशन किया था। इन चारों की प्रारंभिक शिक्षा लालगंज के पुनीत जूनियर हाई स्कूल व इसके बाद इंटर तक की शिक्षा राम अंजोर मिश्र इंटर कॉलेज में हुई। योगेश ने मोतीलाल नेहरू इलाहाबाद से बीटेक तथा क्षमा ने हेमवती नंदन बहुगुणा पीजी कॉलेज लालगंज से हिंदी में एमए किया।

तीसरे नंबर की माधवी ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीजी किया। छोटे बेटे लोकेश ने दिल्ली से आईआईटी की पढ़ाई पूरी की। क्षमा का आईपीएस एवं योगेश का आईएएस में चयन हुआ। क्षमा बंगलौर में एवं योगेश शाहजहांपुर में तैनात है। इसके बाद वर्ष 2015 में यूपीएससी की परीक्षा में माधवी ने 62वा व लोकेश ने 44वा स्थान प्राप्त किया था। दोनो का आईएएस पद पर चयन हुआ। माधवी इन दिनों रामगढ़ झारखंड एवं लोकेश कोडरमा झारखंड में तैनात है। राम अंजोर मिश्र इंटर कालेज के शिक्षक विजय तिवारी का कहना है कि चारों बचपन से ही मेधावी थे, इनकी प्रतिभा को निखारने में वह खुद भी सम्मानित हो चुके हैं। चारों भाई बहन अपनी सफलता में गुरुजनों के साथ ही पिता, मां कृष्णा, बाबा व प्रधानाचार्य रहे स्वर्गीय राम किशोर मिश्र, चाचा शिक्षक ज्ञान प्रकाश मिश्र का योगदान मानते हैं। फिलहाल एक ही परिवार से चार आईएएस होने से परिवार की ख्यात बढ़ी और इलाके व जिले के लोगो को भी होनहारों पर गर्व हैं।

समाधान दिवस में दस शिकायतें, तीन निस्तारित

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली में थाना समाधान दिवस में दस शिकायतें दर्ज हुई। इनमें से छः राजस्व तथा चार पुलिस विभाग की रहीं। पुलिस विभाग से जुडी तीन शिकायतें दोनो पक्षो को समझा बुझाकर अफसरों ने समाधान दिवस मे निस्तारित कराया। राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर अफसरों ने पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम का गठन कर निस्तारण के निर्देश दिये। समाधान दिवस में प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने शिकायतों की सुनवाई की। ज्यादातर शिकायतें जमीनी विवाद से जुडी दिखी। वहीं तहसीलदार धीरेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता मे उदयपुर थाने मे समाधान दिवस में शिकायतों की सुनवाई की गयी।

भाजयुमो के पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। भाजयुमो के लालगंज मण्डल के नव नियुक्त पदाधिकारियों को शनिवार को नगर के एक मैरेज हॉल में समारोहपूर्वक सम्मानित किया गया। सभासद एवं पार्टी नेता बृजेन्द्र पाण्डेय मंटू ने नव मनोनीत पदाधिकारियों को पार्टी की ओर से अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष नीतेश द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम के दौरान नीतेश द्वारा घोषित की गयी कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर दीपक सिंह, हरिओम मिश्र, रितेश सिंह, कुलदीप तिवारी, सुमित त्रिपाठी, महामंत्री पद पर फैसल खान, मंत्री पद पर अजय मिश्र, चन्दर वर्मा, शशांक त्रिपाठी, राजू प्रजापति, चंदन मिश्र, कोषाध्यक्ष पद पर विमल गौतम, सोशल मीडिया प्रभारी रजत मोदनवाल, मीडिया प्रभारी अंकित जायसवाल आदि को सम्मानित किया गया।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

प्रतापगढ़। अपर सत्र न्यायाधीष/एफटीसी प्रथम ने अभियुक्त मुन्ना दरवेष सुत जुम्मन निवासी महेवा मलकिया महेषगंज, प्रतापगढ को हत्या के अपराध में आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित करने का आदेष पारित किया तथा दस हजार रुपये के अर्थदण्ड से भी दण्डित किया। बता दें कि 12 नवम्बर 2001 को ग्राम ऐंठू पर लाला बाजार से भोप सिंह का पुरवा जाने वाली कच्ची सड़क के पास स्थित पुराने कुएं में लोगों द्वारा एक छोटे बच्चे की लाष देखने पर पुलिस को सूचना दी, जिस पर शव की शिनाख्त सत्य नारायण प्रजापति पुत्र पंचम राम प्रजापति निवासी कोहारन का पुरवा थाना मानिकपुर के द्वारा की गई। विभिन्न गवाहों एवं साक्ष्यों तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज हुआ था। उपरोक्त अभियुक्त ने सूरजकली को बहला-फुसलाकर शादी करने के लिये अपने साथ लुधियाना ले गया था, जहां किराये के मकान में दोनों लोग पति-पत्नी के रुप में रहते थे जिनसे एक पुत्र पैदा हुए थे जिसका नाम राहुल था, उसे लेकर संग्रामगढ़ आया और किराये के मकान में रहने लगा और एक दिन अपनी स्कूटर पर बैठाकर मानिकपुर ले गया, कहा लुधियाना चलेंगे। उससे उसका बच्चा मांगकर कुएं में फेंक दिया। राज्य की ओर से पैरवी सहायक शासकीय अधिवक्ता काशीनाथ ने की।

शिकायतों की लीपापोती नहीं कार्रवाई हो: रेल महाप्रबंधक

प्लेटफॉर्म की दुर्दशा पर जीएम ने अधिकारियों को लगाई फटकार, निरीक्षण कर रहे जीएम को शिकायत पुस्तिका में मिली खामियां, एसएस से जवाब मांगा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शनिवार को प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने आए रेल महाप्रबंधक एनआर नई दिल्ली आशुतोष गंगल कंप्लेन बुक देखकर नाराज हो गए। उसमें यात्रियों की शिकायतों की जांच न करके उसकी लीपापोती की गई थी। जीएम ने सख्त लहजे में कहा है कि यात्रियों की शिकायतों की पहले जांच करके उस पर कार्रवाई की जाय। उसके बाद सुलह समझौते वाली बात होनी चाहिए।

उन्होंने स्टेशन अधीक्षक से इसका जवाब मांगा है। जीएम प्लेटफॉर्म की दुर्दशा से काफी नाराज दिखे। इसके लिए उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाई। बोले की प्लेटफॉर्म का जल्द विस्तार

रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते रेल महाप्रबंधक।

किया जाए। जिससे यात्रियों को आने जानें में दिक्कत न होने पाएं। जगेसरगंज स्टेशन के पास रास्ते की मांग कर रहे ग्रामीणों और किसान यूनियन के नेता जीएम से मिले उन्हें समस्या बताई। जिसका निस्तारण करने का भरोसा डीआरएम ने दिया है। इस दौरान वेटिंग हाल और सकुर्लेटिंग एरिया का भी निरीक्षण अधिकारियों ने किया। उन्होंने यात्री सुविधाओं को बढ़ाने का निर्देश दिया है। बनारस से लखनऊ जाते समय जीएम स्पेशल ट्रेन से यहां पर आए थे। उनके साथ डीआरएम और अधिकारियों की टीम थी। निरीक्षण के दौरान जीएम ने शिकायत पुस्तिका को देखा तो चैंक गए। उसमें वाणिजय विभाग के कर्मचारी की यात्री ने शिकायत की थी। बाद में उसने अपनी शिकायत वापस भी ले ली थी। जीएम को यहां के जिम्मेदार अधिकारियों का खेल समझते देर नहीं लगी। उन्होंने पूछा यात्री की शिकायत पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई। इसका जवाब किसी के पास नहीं था। हालांकि डीआरएम को बताया गया कि कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है।इस मौके पर मेंस यूनियन के शाखा मंत्री अनिल कुमार शुक्ला के नेतृत्व में कर्मचारी समस्याओं को लेकर जीएम को ज्ञापन दिया गया। जिसमें पार्सल पोर्टर द्वारा काम न करने की शिकायत भी की गई है। इस मौके पर मनीष पाण्डेय, वीके तिवारी, बबिता पाण्डे समेत कई नेता मौजूद थे। एसएस शमीम ने जीएम का स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान एडीईएन डोरीलाल, आरपीएफ इंस्पेक्टर सीपी मिश्रा जीआरपी एसओ अवनीश कुमार, सुपरवाइजर भरत यादव, सीआईटी, सीआरएस और सीएमआई समेत कई कर्मचारी अधिकारी मुस्तैद थे। दस मिनट ठहराव के बाद ट्रेन चिलबिला स्टेशन की तरफ रवाना हो गई।

अंतू में किया विंडो निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जीएम की स्पेशल ट्रेन अंतू रेलवे स्टेशन पर भी रूकी थी। इस दौरान जीएम आगे से उतरकर पीछे आए और विंडो निरीक्षण करते हुए आगे निकल गए। उधर पूर्व विधायक बृजेश मिश्र सौरभ ने अंतू रेलवे स्टेशन को रेलवे की नजरिए से वरदान और अभिशाप बताया है। कहा कि ट्रेनों तो मिली लेकिन यहां की बाजार को खतम कर दिया गया है। जगेसरगंज में अंडरपास की मांग को उन्होंने जायज बताया। कहा कि इस संबंध में वे जल्द डीआरएम से मिलेंगे।

राधे-रानी का जाप करने से मिट जाते हैं संतापः पुष्पांजलि किशोरी

कथा ज्ञान यज्ञ के समापन पर उमडे श्रद्धालु, कथाव्यास का हुआ सारस्वत सम्मान

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के उदियापुर गांव में सप्ताह भर से हो रही एक सौ आठ श्री शिवशक्ति नारायण कथा ज्ञानयज्ञ का शुक्रवार की देर रात समापन हुआ। समापन कार्यक्रम में आयोजन समिति की ओर से कथा व्यास पुष्पांजलि किशोरी का सारस्वत सम्मान भी किया गया।

कथा में श्रद्धालुओं को भगवान राधे-रानी का महात्म्य समझाते हुए पुष्पांजलि किशोरी जी ने कहा कि भगवान के प्रति शरणागति मनुष्य के हर संताप को पाप को हरण किया करती है। उन्होने कहा कि भगवान की कथा कलिकाल में अमृत कथा है। उन्होनें कहा कि सच्चे मन से राधे रानी के नाम का जाप करने वाले साधक को कभी भी विपत्ति का सामना नही करना पड़ता। सुश्री

उदियापुर में कथाव्यास का सम्मान करते आयोजन समिति के लोग।

पुष्पांजलि ने कहा कि भगवान कृष्ण का लोकावतार जीवन पथ को कर्म पथ पर अग्रसर बनाये रखने का हमें नैतिक बोध कराया करता है। धर्म वही है जो लोक कल्याण की साधना को फलीभूत करते हुए अन्याय को मिटाने के लिए प्रेरणा का बोध कराये। इसके पूर्व कथा के संयोजक पं. शिवदत्त दुबे तथा मानस मराल पं. रामफेर पाण्डेय व आचार्य करूणाशंकर दुबे एवं चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने कथाव्यास पुष्पांजलि किशोरी का साफा व शाल तथा माल्यार्पण कर सारस्वत अभिनंदन किया।

युवा समाजसेवी अमित मिश्रा ने भी कथाव्यास को राधे रानी का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने आभार प्रदर्शन किया। कथा समापन पर पूणार्हुति हवन यज्ञ में बड़ी संख्या मे शामिल महिलाओं ने भजन व संकीर्तन की मनोहारी प्रस्तुतियां दी।

कथा मे शामिल श्रद्धालुओं को पंक्तिबद्ध भगवान का महाप्रसाद भी ग्रहण करते देखा गया। इस मौके पर समाजसेवी राजेन्द्र दुबे, रामशिरोमणि मिश्र, अनिल त्रिपाठी महेश, रामपाल दुबे, भास्कर पाल मिश्र, अधिवक्ता गिरिजाकांत दुबे, नागेश्वर प्रसाद द्विवेदी, राधाकांत द्विवेदी, उमाशंकर मिश्र, सर्वेश मिश्र, शास्त्री सौरभ त्रिपाठी, आचार्य दिवाकर नाथ शुक्ल आदि रहे।

जमीनी विवाद में दलित की पिटाई, सीओ ने दिये जांच के निर्देश

लालगंज, प्रतापगढ़। संग्रामगढ़ थाना के कोडरी निवासी सरजू सरोज पुत्र रामबक्श ने शनिवार को यहां सीओ से मिलकर जमीनी विवाद में विपक्षियो द्वारा गालीगलौज व मारपीट को लेकर तहरीर सौपी है। पीडित ने सीओ से यह भी शिकायत की कि संग्रामगढ़ पुलिस को तहरीर देने के बावजूद कार्रवाई नही हो रही है। पीडित ने सीओ को दी गई तहरीर मे कहा है कि नौ सितंबर को जमीनी विवाद को लेकर गांव के सालिकराम यादव, निशान्त यादव पांच-छः अज्ञात लोगों के साथ उसकी जमीन पर जबरिया दीवार बनाने लगे। मना करने पर विपक्षियों ने पीडित के घर मे घुसकर जातिसूचक शब्दों से गाली देते हुए मारपीट की। आरोप है कि मारपीट की घटना में पीडित तथा उसकी पत्नी व बेटी को भी चोट आयी है। पीडित ने सीओ से कहा कि आरोपी उसे लगातार जानलेवा धमकी दे रहे हैं जबकि संग्रामगढ पुलिस जांच के नाम पर उसे टरका रही है। सीओ रामसूरत सोनकर ने पीडित के शिकायती पत्र पर संग्रामगढ़ एसओ को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिये हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। प्रयागराज लखनऊ नेशनल हाइवे पर शनिवार की शाम लगभग पांच बजे बाइक सवार प्रदुमन सिंह उर्फ.कल्लू सिंह पुत्र स्व0 सरदार सिंह (60) वर्षीय निवासी कोटरा बहादुरगंज थाना ऊँचाहार जनपद रायबरेली किसी काम से बाइक से जा रहे थे कि नवाबगंज थाना क्षेत्र के झम्मानगर में अज्ञात वाहन टक्कर मारते हुए भाग निकला जिसे लोग नहीं देख पाए वाहन की टक्कर से प्रदुमन सिंह की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पूर्व ग्राम प्रधान हिनाहू कमलेश यादव व नवाबगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव की लिखा पढी करके पीएम के लिए ले गयी। घटना स्थल पर परिजन लोग भी पहुच गए। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। टक्कर मारने वाला वाहन का पता नहीं चल सका। अज्ञात वाहन गाड़ी व चालक के खिलाफ परिजनों ने पुलिस को तहरीर दिया। मृतक के गाँव के ग्राम प्रधान भी मौके पर पहुँच गए।

दरोगा व सिपाही पर दिव्यांग को पीटने का आरोप

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। जमीनी विवाद में चल रहे रंजिश के बाद बाजार में खड़े एक दिव्यांग युवक को चैकी में तैनात दरोगा व सिपाही ने सरे बाजार पीट दिया। पीड़ित दिव्यांग की मां ने इस संबंध में संपूर्ण समाधान दिवस पर शिकायती पत्र देकर आरोपियो पर कार्रवाई की मांग की है। पट्टी कोतवाली अंतर्गत भोपालपुर गांव की रहने वाली कुसुम पत्नी उमाशंकर शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस पर पट्टी कोतवाली पहुंची। शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि शुक्रवार की शाम को उसका बेटा अनूप जो कि दिव्यांग है उसके पड़ोसी से जमीनी विवाद में कहासुनी हुई थी जिस पर उसकी तरफ से भी तहरीर पड़ी थी लेकिन पुलिस ने मामले में कुछ नहीं किया इसी रंजिश की वजह से चैकी इंचार्ज तथा सिपाही दिव्यांग अनूप को दौड़ाकर पीटा। महिला ने बताया कि एक तरफ पड़ोसियों से जमीनी रंजिश के कारण परेशान हैं ऊपर से पुलिसिया बर्ताव से वह परेशान है।

सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, दी तहरीर

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर थाना क्षेत्र के एक गांव में पीडिता ने बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म तथा मारपीट के आरोप को लेकर पुलिस को तहरीर दी है। पीडिता ने तहरीर मे कहा है कि शनिवार को सुबह लगभग तीन से चार बजे के बीच उसकी पुत्री शौच के लिए बाहर गयी थी। इस बीच आरोप है कि पहले से घात लगाए बैठे गांव के तीन आरोपियो ने उसकी लड़की का मुंह दबाकर जबरिया झाडियों मे उठा ले गये। तहरीर मे आरोप लगाया गया है कि वहां आरोपियो ने दुष्कर्म की घटना घटित की। पीडिता घर लौटी तो मां को आपबीती सुनाया।

चोरी की बाइक के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

परियावां, प्रतापगढ़। महेशगंज पुलिस ने क्षेत्र चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति के पास चोरी की मोटरसाइकिल बरामद किया। मालूम हो कि महेशगंज उप निरीक्षक अनुपम त्रिपाठी अपने हमराही के साथ क्षेत्र चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के रामनगर बघवाईत पास सदिग्ध अवस्था मे बाइक के साथ खडे युवक को मुखबिर की सूचना पर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद किया। पुलिस के पूछने पर युवक ने अपना नाम अम्बुज सरोज बताया और पूछने पर बताया कि मोटरसाइकिल को डेरवा बाजार से चोरी की थी। पुलिस ने मोटरसाइकिल की ई चालान एप्प के जरिये चेक किया तो यू पी 70 एस 8817 वाहन मालिक अनामुल्ला पुत्र अता उल्ला निवासी सबलगढ़ डेरवा के नाम निकली।

पीएम मोदी के सोचने एवं कार्य करने की शैली अद्वितीयः दयाशंकर

एमडीपीजी में हुआ मोदी एट द रेट ऑफ ट्वेन्टी सेमिनार का आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एमडीपीजी कॉलेज में आयोजित मोदी एट द रेट ऑफ ट्वेन्टी विषयक सेमिनार को संबोधित करते हुए आयुष, खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्रालय के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दया शंकर मिश्र दयालु ने कहा कि मोदी की क्षमता असीमित है। उनकी सोचने एवं कार्य करने की शैली अद्वितीय है। चाहे मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्य रहे हों अथवा प्रधानमंत्री के रूप में वे सदैव प्रशंसनीय रहे।

उन्होंने विभिन्न विभागों के बनारस में हुए कार्यों का जिक्र किया और कहा कि यह कार्य मोदी के विकास के प्रति समर्पण एवं दृढ़ इच्छाशक्ति को दशार्ते हैं। उन्होंने कहा

मंत्री को स्मृति चिन्ह प्रदान करते प्राचार्य प्रो0 मनोज मिश्र।

कि 376 प्रकार की योजनाएं देश के विकास के लिए चल रही हैं। मोदी जी ने देश और विदेश में भारत का नाम रोशन किया और जिससे भारत विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया के शीर्षस्थ देशों की श्रेणी में शामिल हुआ। सेमिनार के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ जगदीश चंद्र मिश्र ने कहा कि मोदी जी अपने कर्तव्यों के बखूबी निर्वहन से हिमालय की तरह भारतीय राजनीति में चिरस्थाई हो गए हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो मनोज मिश्र ने अतिथियों का स्वागत एवं विषय का प्रवर्तन किया। उन्होंने कहा कि मोदी के 20 वर्ष सदैव प्रासंगिक रहेंगे। बीस वर्षों में उन्होंने भारत की दिशा और दशा ही बदल दी। मोदी जी के प्रयासों से ही भारत आर्थिक, तकनीकी, प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्रों में भी दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हुआ है। सेमिनार की अध्यक्षता प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रमन मिश्र ने तथा संचालन डॉ शैलेश कुमार पांडे ने किया। कार्यक्रम को बीजेपी के जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में सदर विधायक राजेंद्र मौर्य, महाविद्यालय प्रबंध समिति के मंत्री आनंद पांडे, प्रो अरुण कुमार श्रीवास्तव, प्रो अरविंद मिश्र, प्रो किरण मिश्र, प्रो आरके दुबे, प्रो पीयूष कांत शर्मा, डॉ सी एन पांडे, डॉ देवेंद्र कुमार पांडे, आशीष श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

आयुष मंत्री का बराछा में हुआ भव्य स्वागत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पूर्व विश्व हिंदू परिषद अध्यक्ष भाजपा नेता पंडित राम शिरोमणि पांडे निवासी बराछा के यहां मंत्री दयाशंकर मिश्र (दयालु) आयुष मंत्री स्वतंत्र प्रभार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि आयुष विभाग का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान मंत्री जी के पहुंचते ही आयोजक मनोज पांडे, सुरेश चंद्र पांडे, संतोष दुबे आदि उपस्थित कार्यकताओं ने स्वागत किया। मंत्री जी को फूल मालाओं व अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने अंग वस्त्र व फूल माला से स्वागत करते हुए मंत्री जी को कोरोना काल में किए गए कार्य की लाक डाउन के 75 दिन पुस्तक भेंट की। स्वागत करने वालों में जिलाध्यक्ष भाजपा हरिओम मिश्रा, महामंत्री राजेश सिंह, एसडीएम सदर, सी0ओ0 सिटी, महामंत्री जूनियर बार संतोष नारायण मिश्रा, रामजी जयसवाल, सुरेश चंद्र पांडे, संतोष दुबे, विवेक कुमार यादव, आशीष कुमार, प्रदीप पाल, सुनील पांडे, राकेश पांडे, बृजेश पांडे, पवन, विनीत पांडे, गुड्डू पांडे, शिवकुमार, पप्पू ,सत्य प्रकाश पांडे, दिनेश सिंह, भाजयुमो अध्यक्ष अंशुमान सिंह, चिलबिला चौकी इंचार्ज सहित सैकड़ों लोगों ने माननीय मंत्री जी का स्वागत किया। आयोजक मनोज पान्डेय ने मंत्री जी का आए हुए अथितियों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

आयुष मंत्री का स्वागत करते आयोजकगण।

बेखौफ चोरों का आतंक :

आधा दर्जन घरों से लाखों का माल उठा ले गए चोर

सोती रही चौकी पुलिस तीन दुकानों का ताला तोड़कर लाखों का सामान उठा ले गए चोर

छह माह पहले हुई चोरी की घटनाओं का पुलिस नहीं कर सकी खुलासा जिससे चोरों के हौसले है बुलंद

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले में चोर बेखौफ हैं और आए दिन घटनाओं को अंजाम देकर लाखों का सामान ले जाते हैं खुलासे के नाम पर पुलिस लापरवाह दिखाई पड़ रही है जिससे लोगों के बीच भय व्याप्त है घटनाओं के बाद लापरवाह पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही होती नहीं दिख रही है जो पुलिसिया व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है बीती रात्रि फिर कोखराज और सैनी कोतवाली क्षेत्र के 2 गांव में अलग-अलग आधा दर्जन घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दे कर चोर लाखों का सामान उठा ले गए हैं लेकिन खुलासे के नाम पर पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है कोखराज क्षेत्र में तो पुलिस चौकी के पास 3 घरों में चोरों ने घटना को अंजाम दिया है।

टेढ़ी मोड़ कौशांबी। कोखराज थाना के टेढ़ी मोड़ पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर तीन दुकानों का ताला तोड़कर लाखों का सामान बेखौफ चोर उठा ले गए हैं और चौकी पुलिस पूरी रात गहरी नींद में सोती रही पुलिस को घटना की जानकारी सुबह जब तब हुई जब पीड़ितों ने पुलिस को तहरीर दी है अब घटना की तहरीर मिलने के बाद पुलिस सीसीटीवी कैमरे के सहारे घटना का खुलासा करने में लगी है जबकि चोर गिरोह के सदस्यों ने सीसीटीवी कैमरे की लीड को पहले ही निकाल दिया है पुलिस की लापरवाही से पुलिस चौकी के बगल में चोरी होने से स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है पहले की चोरी की घटनाओं का भी पुलिस खुलासा नहीं कर सकी है जिससे पुलिस की लापरवाही और शिथिलता उजागर हो रही है लेकिन पुलिस चौकी के चंद कदम की दूरी पर चोरी हो जाने के बाद लापरवाह पुलिसकर्मियों पर अभी तक अधिकारियों ने कठोर कार्रवाई नहीं की हैजानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के शहजादपुर चौकी के महज 50 मीटर की दूरी पर झंडापुर के मोहम्मद शमीम ने ज्वेलरी की दुकान खोल रखी है जिसमें चोरों ने शुक्रवार की रात शटर का ताला तोड़कर आलमारी में रखी एक किलो चांदी उठा ले गए 50 मीटर पर शटर टूटता रहा और शटर टूटने की आवाज से भी चौकी पुलिस नहीं जाग सकी

इसी दुकान के ऊपर शमीम के भाई ने प्रिंटिग प्रेस की दुकान खोल रखी है जिसका ताला तोड़कर वहां से छह हजार नकदी सहित दो लैपटाप , इन्वर्टर तथा बैट्री चोर उठा ले गए । बगल में शहजादपुर निवासी मोहम्मद कौशेन ने सैलून की दुकान खोल रखी है जिसका ताला तोड़कर वहां से पांच हजार नकद बेखौफ चोर उठा ले गए । ग्राउंड फ्लोर पर झंडापुर निवासी अंसार उल्ला एस बी आई का ग्राहक सेवा केंद्र चलाते है । चोरों ने यहां भी शटर का ताला तोड़ने का प्रयास किया लेकिन असफल रहे । केंद्र संचालक ने बताया की छः माह पहले केंद्र में चोरी हो चुकी है। सभी को सुबह पड़ोसियों के माध्यम से चोरी की घटना का पता चला है कि उनकी दुकानों में चोरी हुई

दो दुकान का शटर का ताला तोड़कर नकदी, कीमती सामान उठा ले गए चोर

2 माह पहले इसी स्थान पर तीन दुकानों का ताला तोड़ कर चोरी का खुलासा नही कर सकी पुलिस

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के अटसराय चौराहे के पास चोरों ने दुकानों का शटर तोड़कर नकदी समेत कीमती सामानों को पार कर दिया भुक्तभोगी ने मामले की तहरीर कोतवाली में दी है। धर्मेंद्र पाल पुत्र रामनिहोरे अटसराय चौराहे पर जनसेवा केंद्र चलाते हैं बीती शाम केंद्र बंद कर वह घर चला गए देर रात अज्ञात चोरों ने शटर का ताला तोड़कर लैपटॉप,कैमरा बैटरा छतिग्रस्त कर

नकदी उठा ले गए पड़ोस के सोनू पाल की क्लीनिक से इन्वर्टर बैटरा नकद 5 हजार रुपए चोर उठा ले गए ।नजदीकी दुकादारों के अनुसार अभी 2 माह पहले भी इसी जगह 3 दुकानों का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने तांडव मचाया था वहीं चौराहे के दुकानदारों के अनुसार क्षेत्रीय पुलिस गश्त नही करती परिणाम स्वरूप दुकानदार दहशत में जी रहे हैं कब किस दुकान में चोर धावा बोल दें।

है। सभी ने पुलिस को चोरी की सूचना दी है । पीड़ितों से तहरीर मिलने के बाद जानकारी होने पर पुलिस घटना स्थल का मौका मुआयना कर जांच पड़ताल में जुट गई है पुलिस ने ग्राहक सेवा केंद्र के बाहर लगे सी सी टी वी कैमरे की फुटेज निकालकर चोरों के शिनाख्त में जुट गई है जबकि चोरों ने घटना के समय बाद में कैमरे की लीड निकाल दी थी जिसके कारण पूरी वारदात नहीं रिकार्ड हो पाई । वहीं ग्रामीणों में आक्रोश है कि पुलिस चौकी के पास होने पर भी सुरक्षित नहीं है इसका सीधा सा मतलब है पुलिस गश्त के नाम पर महज खानापूर्ति कर रही है जिससे चोरों के हौसले बुलंद है।

न्यूज झरोखा

दो बाईकों में भिडंत में बाइक सवार महिला सहित चार लहूलुहान

मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में कराया भर्ती

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के कोखराज गांव के पास दो बाईकों की भिडंत में बाइक सवार महिला सहित चार लोग घायल हो गए ,जिनमें से तीन लोगो की हालत गंभीर है ,जिनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा हैं वहीं एक को मामूली चोट आई है। जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के कोखराज गांव निवासी संजीव कुमार पुत्र परशुराम अपनी पत्नी अंजली तथा पुत्री सौम्या 6 माह को लेकर बाइक से दवा कराने मंझनपुर गए थे,दवा कराकर वहां से वह वापस घर लौट रहे थे, जैसे ही वह कोखराज गांव के नजदीक पहुंचे सामने से आ रहे गांव के ही सतुलाल ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे दोनों बाइक में सवार सभी लोग सड़क पर गिर गए ।हादसे में संजीव का पैर टूट गया, वहीं अंजली के सिर पर गंभीर चोट आई है हादसे की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई मामले की सूचना पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पुलिस पहुची और तीनों घायलो को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है जहां पर उनका इलाज चल रहा है। वही सतुलाल को मामूली चोट आई है।

सिराथू तहसील क्षेत्र के ककोढा गांव में जल्द बनेगा नया ब्लॉक

कोखराज कौशाम्बी। जिले में विकास की गति बढ़ाए जाने के लिए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की पहल से सिराथू तहसील क्षेत्र के ककोढा गांव में एक नया ब्लाक बनाने की पूरी तैयारी हो गई है थाना समाधान दिवस के बाद डीएम एसपी अधीनस्थ अधिकारियों के साथ ककोढा गांव पहुंचे और ब्लॉक भवन बनाए जाने के लिए भूमि अधिग्रहण किया है इस दौरान डीएम एसपी के साथ डीपीआरओ एसडीएम सिराथू तहसील दार सिराथू ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत सदस्य के साथ-साथ इलाके के तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दलित बालिका को दबंग कर रहे गाली गलौज

कौशाम्बी। कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के रामपुर बढनावा गांव की एक दलित बालिका के साथ गांव के दबंग गाली गलौज कर उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं जिससे दलित परिवार दहशत में है मामले की शिकायत दलित बालिका ने पुलिस अधीक्षक से की है। जानकारी के मुताबिक कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के रामपुर बढनावा गांव निवासी दलित बालिका सविता पुत्री गुलाब अपने खेत में करेला की सब्जी लगाए हुए हैं दलित बालिका खेतों में करैला तोड़ने जाती है तो गांव के जुग्गा पुत्र देव शरण मिश्रा बीच रास्ते में बालिका को रोककर गाली गलौज करते हैं 6 सितंबर से लगातार बीच रास्ते में रोककर बालिका को गाली गलौज किया जा रहा है दबंग दलित बालिका से अभद्रता करते हैं उसे तबाह कर देने की धमकी देते हैं अब दलित बालिका के साथ यह दबंग कौन सी तबाही मचाएंगे यह बात रहस्य पूर्ण है दबंगों से पीड़ित बालिका ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर दबंगों पर कार्रवाई की मांग की है।

आस्था या अंधविश्वास ! माता के मंदिर में भक्त ने जीभ काटकर चढ़ाई

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशांबी। ईश्वरी शक्ति पर भरोसा रख कर एक भक्त ने सिद्धपीठ माता शीतला देवी कड़ा धाम में अपनी जीभ काटकर चढ़ा दी है जिससे मंदिर परिसर में खून भर गया है मामले की जानकारी मिलते ही पंडा समाज के लोगों ने पुलिस को सूचना देकर घायल भक्त को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है अब इसे ईश्वर के प्रति आस्था कहेंगे या अंधविश्वास कहेंगे अपनी मान्यता पूरी होने पर भक्त कड़ा धाम माता शीतला का दर्शन करने आया और माता को अपनी जीभ काटकर भेंट कर दी भक्त के जीभ कटने से परिसर में खून फैल गया और हड़कंप मच गया पश्चिम शरीरा क्षेत्र के पूरब शरीरा रहने वाले संपत अपनी पत्नी बन्नो देवी के साथ गंगा नदी में

भक्त के जीभ काटकर चढ़ाने के बाद मौके पर बिखरा खून

स्नान करने के बाद कड़ा धाम स्थित सिद्ध पीठ माता शीतला के धाम पर पहुंचे जहां पर भक्त सम्पत ने अपनी मनौती पूरी होने पर परिवार के साथ शीतला माता का दर्शन परिक्रमा किया मंदिर की परिक्रमा और दर्शन करने के बाद माता की चौखट पर अंतिम बार माथा टेकने के दौरान उसने अपनी जीभ ब्लेड से काट कर माता को भेंट कर दी युवक के जीभ के कटते ही मंदिर परिसर में खून फैल गया और हड़कंप मच गया माता शीतला को अपनी जीभ काटकर भेंट करने वाले भक्त संपत की पत्नी बंनो देवी ने बताया कि मेरे पति ने बीती रात माता शीतला के दर्शन की इच्छा जाहिर की थी आज दर्शन करने आए तो अचानक उन्होंने अपनी जीभ काटकर माता को भेंट कर दी।

धमकी देकर युवक को ठगा

कौशाम्बी। मंझनपुर थाना क्षेत्र के कस्बा मंझनपुर के विनोद कुमार पुत्र रामकृष्ण को विक्रम राठौर और राहुल शर्मा पता अज्ञात ने 3 महीने पहले को फोन कर कहा कि आप ब्लैकमेल करते हैं हम आपको ब्लैकमेल की वीडियो भेजते हैं वीडियो की बात कह कर विनोद कुमार को आरोपियों ने बहुत तरह से धमकाया और कहा कि यदि अगर आप हमारे खाते में पैसा भेज दो तो हम आपकी वीडियो शेयर नहीं करेंगे यदि आप पैसा नहीं भेजोगे तो आपकी वीडियो शेयर कर देंगे विनोद कुमार उनके झांसे में पड़कर उनसे पूछा कि कितना पैसा भेजे उन्होंने विनोद कुमार से 1 लाख 35 हजार भेजने की बात कही विनोद कुमार ने उनका खाता नंबर लिया और उनके खाते में 1 लाख 35 हजार की रकम ट्रांसफर कर दी आरोपियों ने खाते में पैसा पाकर अब भुक्तभोगी से 5 लाख की मांग की है भुक्तभोगी ने मंझनपुर थाने में आरोपियों के विरुद्ध तहरीर दी पुलिस ने तहरीर पर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर छानबीन में जुट गई।

फरियादियों की समस्या सुनते डीएम व एसपी

थाना समाधान दिवस में डीएम एसपी ने सुनी फरियाद

न्याय पूर्ण तरीके से समय सीमा के अंदर शिकायती पत्रों के निस्तारण करने के डीएम एसपी ने संयुक्त रूप से दिए निर्देश

कोखराज कौशाम्बी। थाना समाधान दिवस के अवसर पर डीएम सुजीत कुमार और एसपी हेमराज मीणा कोखराज थाना पहुंचे और थाना समाधान दिवस में उन्होंने फरियादियों की समस्याओं को सुना थाना समाधान दिवस में 18 फरियादियों ने अपनी समस्याएं दर्ज कराई जिनमें 2 मामलों का डीएम एसपी ने मौके पर निस्तारण कर दिया शेष समस्याओं को उन्होंने अधीनस्थों को सौंपते हुए समय सीमा के अंदर निस्तारित करने के निर्देश दिया इस मौके पर डीएम एसपी ने संयुक्त रूप से कहा कि फरियादियों की शिकायतों समस्याओं के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बर्दाश्त की जाएगी उन्होंने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण न्याय पूर्ण तरीके से शिकायतों की जांच कर समय सीमा के अंदर शिकायती पत्रों का निस्तारण करें थाना समाधान दिवस के अवसर पर सीओ सिराथू डॉ केजी सिंह तहसीलदार सिराथू एसओ कोखराज चौकी इंचार्ज शहजाद पुर सुमित आनंद चौकी इंचार्ज हरर्राय पुर राकेश कुमार राय लेखपाल रियाज अहमद,अमन सिंह,लोकनाथ पाण्डेय, रितेंद्र सिंह,आदि लोगों की उपस्थिति रही।

शादी के 3 महीने में ही विवाहिता की मौत

मौत के पूर्व का विवाहिता का पत्र वायरल, विवाहिता ने ससुरालियों पर हत्या किए जाने की जताई थी आशंका, परिजनों ने दी हत्या की तहरीर

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के पूरब शरीरा निवासी गोपाल ने अपनी बेटी जानकी देवी की शादी 2 मई 2022 को हिंदू रीति रिवाज से कौशांबी थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव निवासी शिव प्रकाश के साथ की थी शादी के बाद से ही ससुराल में विवाहिता जानकी का उत्पीड़न शुरू हो गया आए दिन गाली गलौज मारपीट प्रताड़ित किया जाने लगा ससुरालियों की प्रताड़ना से त्रस्त विवाहिता ने एक पत्र लिखा था जिसमें उसने ससुराली जनों पर हत्या की आशंका जताई थी 8 सितंबर 2022 को रहस्यमय परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई ससुराली लोगों का कहना है कि सांप ने काट लिया है जबकि विवाहिता के पिता गोपाल ने पुलिस को तहरीर दे कर ससुराली जनों पर जहर खिलाकर जानकी देवी की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है मौत के बाद विवाहिता जानकी देवी द्वारा लिखा गया पत्र वायरल हो रहा है जिसमें विवाहिता ने ससुराली जनों पर हत्या किए जाने का आरोप लगाया था कौशांबी थानेदार का कहना है कि विवाहिता को सांप ने काटा है जिससे उसकी मौत हुई है।

नाबालिग बच्ची से रेप का आरोपी भी निकला नाबालिक

कौशाम्बी। चरवा थाना अन्तर्गत मंहगाव चौकी क्षेत्र के एक गाँव में 08 सितम्बर को 7 वर्षीय बच्ची के साथ अज्ञात द्वारा बाजरे के खेत में दुष्कर्म किया गया था बच्ची से रेप करने के मामले में मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई पुलिस को सूचना मिली कि बच्ची से रेप का आरोपी 14 वर्ष का नाबलिंक बालक है पुलिस ने आरोपी नाबलिंक बालक को गिरफ्तार किया है पुलिस बालक को हिरासत में लेकर थाने ले गई,जब इस सम्बन्ध में थाना प्रभारी आलोक कुमार सोनकर से बात चीत की गई तो उन्होंने कहा कि चूंकि उक्त मुकदमें में अभियुक्त बाल अपचारी है इसलिए अभियुक्त उपरोक्त को नियमानुसार विधिक कार्यवाही के उपरान्त किशोर न्याय बोर्ड भेजा जायेगा।

केसरवानी समाज के कार्यक्रम में उमड़े हजारों स्वजातीय

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। नगर पंचायत अझुवा के पंचम लाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में केसरवानी समाज के हजारों लोगों ने मौजूद रहकर बंजारी माई और ऋषि कश्यप मुनि की पूजा की है इस दौरान विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में स्वजातीय नर नर नारियों ने प्रसाद ग्रहण कर जयकारा लगाया।

मौके पर केसरवानी समाज के दर्जनों नेताओं ने पहुंचकर समाज के उत्थान पर चर्चा की है वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा संस्कार संगत एकता पहचान से ही समाज मजबूत होगा हम सब व्यापारी समाज के हैं व्यापारी का किसी से कुछ लेने देने का सवाल ही नही उठता व्यापारी देता है जब हम लोग बाहर निकलतते हैं तो देखते हैं कि सरकारी नौकरी में भी बड़ी संख्या में केसरवानी समाज के लोग है गरीब बच्चों को शिक्षित किया जाए,विधवा महिलाये चिन्हित की जाएं केसरवानी समाज के सहयोग से अपना समाज

बंजारी माई महर्षि कश्यप मुनि के जयकारे से गूंजा पंडाल

मंचासीन केशरवानी समाज के पदाधिकारी

आगे बढ़ेगा। वक्ताओं ने एक सुर में समाज मे एक सूत्र में पिरोने का आह्वान किया इस दरम्यान समाज के सरकारी सर्विस पाने वालों को भी सम्मानित किया गया उन होनहार छात्र/छात्राओं को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने परीक्षाओं में 85 फीसदी से अधिक अंक लाकर समाज को गौरावन्तित किया है 75 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को पुष्प माला पहनाकर उनके दीर्घायु की कामना की गई नन्हे बड़े बच्चों ने मंच पर सुंदर कार्यक्रम प्रदर्शित कर मौजूद लोगों का मन मोह लिया इस अवसर पर अखिल भारतीय केसरवानी वैश्य महा सभा के प्रदेश अध्यक्ष तीर्थ राज गुप्ता गोल बाबू राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सतीश चंद्र केसरवानी जिलाध्यक्ष प्रवेश केसरवानी रमेश प्रसाद केसरवानी जिला महामंत्री व कार्यक्रम संयोजक कैलास चंद्र केसरवानी कपूर चन्द्र केसरवानी प्रमिल फूल चंद्र केसरवानी सौरभ केसरवानी विमल केसरवानी घूरे केसरवानी राकेस केसरवानी धर्म देव केसरवानी सहित महिला पदाधिकारियों ने गोष्ठी को सम्बोधित किया।

एक मुख्य चीज वक्ताओं में रही कि आने वाले निकाय चुनाव में एकता बनाकर स्वजातीय समाज के लोगों को विजयी बनाएं केसरवानी में सरकारी नौकरी पाये हुऐ बच्चों को जो बच्चे मौके पर नहीं थे उनके घर के गार्जियन लोगों को केसरवानी वैश्य सभा की महिला अध्यक्ष सुनीता केसरवानी ने सम्मानित किया।

जर्जर स्वास्थ्य केंद्र के चलते चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। मूरतगंज विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत सिकंदरपुर बजहा में उप स्वास्थ्य केंद्र का भवन पूरी तरह से जर्जर हो चुका है जर्जर उप स्वास्थ्य केंद्र भवन के चलते इस भवन में ए एन एम और नर्स इलाज करने के लिए नहीं पहुंचती हैं जिससे इलाके की महिलाओं को इलाज नहीं मिल पाता है लेकिन स्वास्थ्य केंद्र के भवन की मरम्मत कराए जाने का प्रयास स्वास्थ्य अधिकारियों ने नहीं किया है जिससे इलाके की पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो गई है महीनों बीत जाने के बाद उप स्वास्थ्य केंद्र का ताला नहीं खुलता है पूरे उप स्वास्थ्य केंद्र परिसर में गंदगी व्याप्त है पूरे परिसर में घास फूस और जंगल जैसा माहौल हो गया है इलाके में महिलाओं को इलाज ना मिलने से महिलाओं को कई किलोमीटर दूर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज जाना पड़ता है चौपट हो चुकी उप स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था को सुधार करने का प्रयास अभी तक स्वास्थ्य महकमे ने नहीं किया है इलाके के लोगों ने आला अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उप स्वास्थ्य केंद्र सिकन्दर पुर बजहा में स्वास्थ्य व्यवस्था बहाल किए जाने की मांग की है।

महिला सिपाहियों पर बढ़ते अत्याचार ने खड़े किए तमाम सवाल!

महिलाओं की सुरक्षा का दम भर रही पुलिस विभाग में सुरक्षित नहीं हैं महिला सिपाही

कौशाम्बी। महिलाओं पर बढ़ते अपराध अत्याचार को लेकर सूबे की सरकार लगातार महिलाओं को सुरक्षित करने के लिए कदम उठा रही है सूबे की सरकार ने एंटी रोमियो का गठन कर महिलाओं को सुरक्षित करने का दावा किया है लेकिन पुलिस विभाग में आए दिन महिला सिपाहियों पर घटित होने वाली घटनाएं तमाम सवाल खड़ा कर रही हैं कि जब पुलिस विभाग में महिला सिपाही सुरक्षित नहीं है तो कैसे समाज की महिलाओं को पुलिस सुरक्षित करेगी पूरे प्रदेश में आए दिन महिला सिपाहियों के साथ घटनाओं की चचाएं आम होती जा रही है कुछ दिन पहले कौशांबी जिले के कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र में तैनात महिला सिपाही रुचि अपने कमरे में मृत अवस्था में मिली थी कमरे में एक अन्य सिपाही की बाइक भी खड़ी थी 9 सितंबर को पुलिस लाइन में एक सिपाही ने महिला सिपाहियों के साथ जिस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया है उससे एक बार फिर वर्दी शर्मसार हो गई है दो महिला सिपाहियों और एक पुरुष सिपाही के बीच आधी रात को पुलिस लाइन परिसर में जमकर मारपीट हुई है तीनों सिपाहियों के बीच लात घूसे डंडे चले हैं सूचना पाकर पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे हैं हालांकि पुलिस अधीक्षक ने दोषी दोनों महिला सिपाही सुधा गौण और सिपाही रिंकी यादव के साथ अजीत कुमार सिपाही को निलंबित कर दिया है लेकिन पुलिस महकमे में महिला सिपाहियों के साथ बढ़ रही घटनाएं चिंता का विषय है।

दंगल मेले में दुकानों और झूला कारोबारियों से अवैध वसूली

मेले की आड़ में छोटे दुकानदारों का शोषण कर दबंगों ने की लाखों की वसूली

पश्चिम सरीरा कौशांबी। पश्चिम शरीरा कस्बे में लगने वाले दंगल और मेले में छोटे छोटे दुकानदारों और बाहर से आने वाले झूला कारोबारियों से अवैध वसूली का खेल बेखौफ तरीके से चल रहा है मेले का आयोजन नगर पंचायत की देखरेख में होता है और नगर पंचायत के अधिकारी का कहना है कि मेले की वसूली उनके द्वारा नहीं कराई जाती है उनके देखरेख के बाद मेले में आए हुए लगभग 500 दुकानदारों से 1000 रुपए और 2000 रुपए प्रत्येक दुकानदार से बेखौफ तरीके से घूम घूम कर स्थानीय गुंडे कर रहे हैं इन्हें रोकने की कोशिश नहीं की गई है मेले में छोटे छोटे दुकानदारों से और झूला कारोबारियों से अवैध वसूली करने वाला किसके संरक्षण में पल रहा है झूला कारोबारियों से 60 हजार रुपए की डिमांड की गई और 30 हजार रुपए की अवैध वसूली कर ली गई है जिसका ऑडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है इस संबंध में अधिशासी अधिकारी का कहना है कि वसूली का प्रकरण संज्ञान में नहीं है और ऐसा कोई कर रहा है तो जांच करा कर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी लेकिन सवाल उठता है कि पश्चिम शरीरा का दंगल मेले का आयोजन 3 दिन होता है शुक्रवार से मेला शुरू हुआ है रविवार को मेला समाप्त हो जाएगा दुकानदार अपने घर चले जाएंगे दुकानदारों के मेला से जाने के बाद किससे जांच करेंगे।

प्रेमी युगल की पुलिस चौकी में तय कराई शादी

मुकदमा लिखने के बजाय प्रेमी युगल में समझौता कराने के नाम पर पुलिस ने दोनों पक्षों से लिया रकम

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के अर्का महाबीरपुर पुलिस चौकी में पहुंचे लड़की के मामा रामचंद्र ने एक युवक पर आरोप लगाते हुए चौकी इंचार्ज को तहरीर दिया लड़की पक्ष से तहरीर मिलने के बाद दूसरे पक्ष को भी पुलिस ने चौकी बुलाया पुलिस के बुलाने के बाद दोनों पक्ष के लोगों की भीड़ पुलिस चौकी में लग गई इसी बीच इलाके के तमाम संभ्रांत लोगों के साथ दलाल भी चौकी में पहुंच गए घंटों पुलिस चौकी में पंचायत चली दोनों पक्षों के बीच सुलह समझौता कराकर पुलिस ने प्रेमी युगल की शादी तय करा दी है चौकी पुलिस पर आरोप है कि उसने प्रेमी युगल की शादी कराने के एवज में दोनों पक्षों से रकम ले ली है। जानकारी के मुताबिक करारी थाना क्षेत्र के बड़ी पवैया गांव की एक बालिका का इसी करारी थाना के चक शहाबुद्दीन पुर निवासी आनंद यादव पुत्र जय सिंह यादव से बीते 8 महीने से प्रेम प्रसंग चल रहा था बालिका के पिता रोजी रोटी के सिलसिले में कल्याण मुंबई में रहते हैं परिवार में दो छोटे-छोटे बच्चों के साथ मां रहती है मौका मिलते ही आए दिन युवक बालिका से मिलने घर पहुंच जाता है बालिका को भगा ले जाकर कोर्ट मैरिज से शादी करने की युवक धमकी देता था युवक ने परिजनों से कहा कि यदि दूसरे जगह शादी किया तो ठीक नहीं होगा इन तमाम मामलों से परेशान बालिका के परिजन रिश्तेदार ने चौकी पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की जिस पर चौकी पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच पुलिस चौकी में समझौता करा कर शादी तय करा दी है दोनों प्रेमी युगल कोर्ट मैरिज करने के बाद धर्म के अनुसार समय आने पर शादी कर लेंगे दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के नाम पर पुलिस ने दोनों पक्षों से रकम ले ली है चौकी के एक सिपाही पर 5000 लेने का आरोप लगा है जिस पर पहले तो चौकी इंचार्ज इंकार करते रहे लेकिन भीड़ के बीच सिपाही को बुलाया गया और सिपाही के रकम लेने की बात की पुष्टि हो गई जिस पर चौकी इंचार्ज बगले झांकने लगे।

संपादकीय

कहीं कांग्रेस का इंजन भी हांफने न लगे

भारत जैसे लोकतांत्रिक राष्ट्र के प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने का ख्वाब देखते हुए आलू से सोना बनाने और महंगाई पर 40 रुपये लीटर आटा की टिप्पणी करने वाले कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी देश-विदेश मे हंसी एवं मजाक के पात्र बने हुए हैं। साथ ही न्यायपालिका एवं मीडिया पर अमर्यादित टिप्पणी कर अपनी राजनीतिक अपरिपक्वता और बौद्धिक दिवालियापन प्रमाण दे चुके हैं। अपनी खीझ निकालकर भाजपा और ईडी को कठघरे मे खड़ा करने वाले राहुल गांधी आज खुद देश की जनता की अदालत में सवालों के घेरे में हैं । खुन्नस में शायद राहुल यह भूल गए कि "ये पब्लिक है सब जानती है"। राहुल के लिए लोकतंत्र के चारों स्तंभ गलत हैं । तब सवाल है कि फिर संविधान बचाने और देश बचाने की दुहाई क्यों देते हैं । राहुल गांधी विधायिका और कार्यपालिका पर पहले ही उंगली उठा चुके हैं और लगातार टिप्पणियां कर रहे हैं । अब तो सभी सीमायें तोड़कर न्यायपालिका और मीडिया को बिकाऊ करार दे चुके हैं।न्यायालय को इस पर स्वतः संज्ञान लेकर उन्हें सबक और मयार्दा सिखानी चाहिए। जिसकी नजर में संविधान का कोई महत्व और सम्मान न हो, वह प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठने के योग्य नहीं हो सकता। यह यक्ष प्रश्न है। भाषा शैली तो वैसे भी राहुल की खराब है। हार की हताशा में राहुल भाजपा और संघ सहित प्रधानमंत्री के बारे में अपशब्दों तक का प्रयोग कर चुके है । इसका खामियाजा समूची कांग्रेस भुगत रही है। विरोध होना और विरोध करना दोनों अलग-अलग बातें हैं । देशहित में सरकार की गलत नीतियों का विरोध करना उनका विपक्षी होने के नाते नैतिक, राजनीतिक और संवैधानिक कर्तव्य है। किन्तु विरोध में बदले की भावना में अंधा बनकर मयार्दाओं को तार-तार कर अमर्यादित करना गलत है । विपक्ष के नाते सरकार की जनकल्याणकारी और राष्ट्र हित व देश के मान सम्मान मयार्दा के लिए बनाई जाने वाली नीतियों का समर्थन करते तो कुछ बात अलग होती पर ऐसी नीतियों का विरोध कर वह कांग्रेस की कब्र खोद रहे हैं। राहुल हरदम अपनी विदेश यात्राओं में राष्ट्र का अपमान करते रहते हैं। भाषा में जहर उगलते हैं। मजे की बात तो यह है कि राहुल गांधी आलू से सोना बनाने की बात कर जमकर ट्रोल हो चुके हैं। अभी हाल ही में दिल्ली के रामलीला मैदान में महंगाई के मुद्दे पर रैली कर ईडी और जांच एजेंसियों पर दबाव बनाने की कोशिश की। निशाने पर भाजपा की नीतियां नहीं बल्कि एजेंसियां रहीं। वह यह बोले कि पिछले 40 साल में सबसे अधिक बेरोजगारी नरेन्द्र मोदी की देन है। भाजपा के नेता देश को बांटते हैं। जानबूझकर देश में भय पैदा करते हैं। 2014 में एलपीजी का सिलेंडर 410 रुपये का था। आज 1050 रुपये का है। पेट्रोल 70 रुपये लीटर था। आज तकरीबन 100 रुपये लीटर है। सरसों का तेल 90 रुपये लीटर था। आज 200 रुपये लीटर है। दूध 35 रुपये लीटर था। आज 60 रुपये लीटर है। राहुल यह तक बोल गए कि आटा 22 रुपये लीटर था और आज 40 रुपये लीटर है। ...अअअ...केजी (किलोग्राम)। और यह भी राहुल आजकल भारत जोड़ो यात्रा पर हैं। अब वह अपने लिबास से चर्चा में हैं। लगता है कांग्रेस के इस नेता का विवादों से गहरा रिश्ता है। तभी तो अब टीशर्ट को लेकर घिर गए हैं। कहने वाले तो यह तक कह रहे हैं कि यह यात्रा भारत जोड़ने के लिए कांग्रेस जोड़ने के लिए हो रही है। राहुल इस यात्रा से क्या जोड़ेंगे और क्या तोड़ेंगे यह तो यात्रा के समापन पर ही साफ होगा पर फिलहाल इतना तय है कि वह कांग्रेस को अब पटरी पर नहीं ला सकते। कांग्रेस की बोगियां लगातार बेपटरी हो रही हैं। यही सिलसिला रहा तो कांग्रेस की रेल का इंजन भी अगले चुनाव तक हांफने न लगे।

याकूब मेमन- हत्यारे को हीरो बनाने वाले कौन?

आर.के. सिन्हा

यह सिर्फ अपने भारत में ही संभव है कि मुंबई बम धमाकों के साजिशकर्ता याकूब मेमन को नायक बनाने की चेष्टा की जाती है। उसे सुप्रीम कोर्ट से मौत की सजा होती है, तो उसे बचाने के लिए देश के बहुत सारे स्वयंभू उदारवादी-सेक्युलरवादी रातों रात सामने आ जाते हैं। उसकी शव यात्रा में हजारों लोग शामिल भी होते हैं। फिर उसे फांसी हो जाती है। तब उसकी कब्र को सजाया जाता है। उसका इस तरह से रखरखाव होता है कि मानो वह कोई महापुरुष हो। मुंबई में याकूब मेमन की कब्र के सौंदर्यीकरण करने के ठोस सुबूत मिल रहे हैं और उसे एक इबादत गाह में बदलने की कोशिश की जा रही थी। जब इस तरह के आरोपों की सच्चाई सामने आई तो मुंबई पुलिस ने आतंकवादी की कब्र के चारों ओर लगाई गई एलईडी लाइट को हटाया। याकूब मेमन को 2015 में नागपुर जेल में फांसी दी गई थी। उसे दक्षिण मुंबई के बड़ा कब्रिस्तान में दफनाया गया था। यह पता लगाया जाना चाहिए कि कैसे एक आतंकवादी की कब्र पर एलईडी लाइट लगा दी गई और संगमरमर की टाइलें लगाकर उसे संवारा गया। मेमन की करतूत के कारण ही मुंबई में सैकड़ों लोग मारे गए थे और अरबों की संपत्ति नष्ट हुई थी। कहने वाले कह रहे हैं कि महाराष्ट्र में उद्दव ठाकरे की सरकार के दौर में याकूब मेमन की कब्र का सौंदर्यीकरण करने की कोशिश हुई थी। पुलिस भी मान रही है कि शब-ए-बारात के मौके पर बड़ा कब्रिस्तान में हलोजन लाइट लगाई गई थीं। याकूब मेमन की कब्र के आसपास संगमरमर की टाइल करीब तीन साल पहले ही लगाई गई थीं। अब मुंबई धमाकों के गुनहगार याकूब मेमन की मुंबई में निकली शव यात्रा को भी जरा याद कर लेते हैं।

जनता के बॉयकॉट को हल्के में न ले बॉलीवुड

देश की जनता को किसी भी विषय पर प्रभावित करने के लिए फिल्में सबसे बड़ा एवं प्रभावी माध्यम है। पर्दे की चकाचौंध से हर व्यक्ति आकर्षित रहता है। जिसका पूरा लाभ बॉलीवुड के ये डॉन लोग उठाते हैं। भारत में एक तरफ जहां पैगम्बर मुहम्मद के कथित अपमान को लेकर सरेआम लोगों के गले काटे जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हिन्दू देवी-देवताओं का अपमान लगातार जारी है। हाल ही में फिल्ममेकर लीना मणिमेकलई ने 'काली' नाम से एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई, जिसमें मां काली को सिगरेट पीते हुए दिखाया गया है। लीना की इस फिल्म को लेकर हिंदुओं में जबरदस्त आक्रोश हैं। यद्यपि बॉलीवुड लगभग पिछले 50 वर्षों से फिल्म निर्माण में मनमानी करता आ रहा है, हिंदू ब्राह्मणों को हास्यास्पद, महाजन को ठग, लोभी, चरित्रहीन तथा ठाकुर को अत्याचारी पात्र दिखाया जाता रहा है। इसके विपरीत मुस्लिम अथवा इसाई पात्र को परोपकारी, जान की परवाह न करते हुए दूसरों की मदद के लिए तैयार रहना जैसे सम्मानित दृश्यों से दिखाया गया है। 1975 में रिलीज हुई शोले फिल्म में इमाम साहब, नेत्रहीन मुस्लिम मौलवी थे जिनके बेटे को मार दिया गया था। ए के हंगल द्वारा अभिनीत, इमाम साहेब दयालु, मुस्लिम चरित्र जो लगभग हमेशा परोपकारी दिखाये गये। जिस मरुस्थलीय गांव रामगढ़ में खाने के दाने नहीं, वहां भी मस्जिद दिखाई गई। दीवार फिल्म का पात्र अपनी माँ के साथ मंदिर तक आता है किंतु मंदिर की सीढियों के नीचे ही खड़ा हो जाता है, वह भगवान को नहीं मानता। उसी कलाकार को जब अन्य फिल्म में सीने में गोली लगती है तो जेब में पड़ा उसका 786 नम्बर का बिल्ला गोली से टकरा जाता है और उसका बाल भी बांका नहीं होता। तब फिल्मों में किसी धर्म का अपमान करने की बजाय बॉलीवुड अपनी इच्छानुसार किसी धर्म को महान व किसी को निम्न दिखाने का बड़ी सफाई से प्रयास करता था। बॉलीवुड में सार्थक-निरर्थक तथा सकारात्मक व नकारात्मक प्रयोग समय-समय पर होते रहे हैं। संतोषी माँ जैसी फिल्मों को देखने के लिए गाँव के गाँव ट्रैक्टर-ट्रालियों, झोटा-बुग्गी व घोड़ागाड़ी से फिल्म हॉल में अपनी जबरदस्त उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं। बिना लव मैटर के अंधे-लंगड़े मित्रों की कहानी को लेकर बनाई गई दोस्ती फिल्म लोगों ने दस-बीस बार देखी होगी। राजा और रंक, क्रांति, राजतिलक जैसी पुरानी फिल्मों ने जनता की भारी भीड़ को फिल्म हॉल में आकर्षित किया। राजा और रंक में यदि गाँव की पृष्ठभूमि, गरीब माँ को चित्रित किया तो क्रांति में अंग्रेजों के अत्याचार, क्रांतिकारियों के संघर्ष को चित्रित किया तथा इसी प्रकार राजतिलक में राजपरिवारों में चलती रही राजनीति को बखूबी दिखाया किंतु अब पिछले 10 वर्षों में बहुत ही सोचे-समझे योजनाबद्ध तरीके से एक ही वर्ग को लक्षित करके फिल्में बनाई जा रही है। हिंदुस्थान के बाहुल्य समाज को अपमानित करने के पीछे बॉलीवुड का एक तथाकथित गैंग कार्य कर रहा है। वर्तमान में जनता जागरूक हो रही है। सोशल नेटवर्किंग के रूप में जनता के हाथ एक बड़ा हथियार लग गया है जिसके माध्यम से लोगों में किसी भी संवेदनशील विषयों पर खुली चर्चा का अवसर मिलता है। आज बॉलीवुड की बड़े से बड़े बजट की एक के बाद एक फिल्म बाजार में औंधे मुँह गिरती जा रही है। जनता की कमाई से अरबों रुपये कमाने वाले फिल्म निमार्ता घुटनों के बल आ गये हैं। अब इन्हें जनता जनार्दन की ताकत का अनुमान होने लगा है। तभी इन अहंकारी फिल्म निमार्ताओं एवं कलाकारों के ब्यान बदलने लगे हैं। जो पहले कहते थे कि जिसे फिल्म अच्छी नहीं लगती मत देखे, कौन जबर्दस्ती कर रहा है भाई , अब कह रहे हैं कि कृपया हमारी फिल्में अवश्य देखें। जो कहते थे कि बॉयकॉट एक फालतू का ड्रामा है, इससे बॉलीवुड को कोई फर्क नहीं पड़ता। वे कह रहे हैं कि कृपया फिल्मों का बॉयकॉट न करें, इससे जुड़े हजारों लोगों के चुल्हें नहीं जल पायेंगे। बॉलीवुड के बॉयकॉट के रूप में अब जनता के हाथ ब्रह्म-अस्त्र लग गया है। इस ब्रह्मास्त्र के प्रयोग से जनता ने बड़े-बड़े फिल्मकारों के नखरे ढीले कर दिये। अब वे लगातार जनता से निवेदन कर रहे हैं कि कृपया सभी फिल्मों का बॉयकॉट न करें, जो फिल्म हिंदुओं की आस्था का अपमान कर रही है उसी का बॉयकॉट करें। अब बॉयकॉट के इस ब्रह्मास्त्र से यह तो निश्चित हो ही गया कि हिंदुओं की सहनशीलता को अब कोई भी हल्के में लेने वाला नहीं है और हिंदू आस्थाओं के अपमान के पक्ष में भी लोग घटते जा रहे हैं। अब वे स्वयं कह रहे हैं कि जो फिल्म आस्थाओं को चोट पहुंचाती हैं निसंदेह उसका बॉयकॉट होना ही चाहिए। बॉलीवुड दो हिस्सों में बंटता जा रहा है। एक जो मेहनत, ईमानदारी के साथ राष्ट्र को सर्वोपरि मानकर आगे बढ़ रहे हैं, दूसरे वे जो हर कदम पर राष्ट्र को अस्थिर करना चाहते हैं या अस्थिर करने वाले लोगों से मिले हुए हैं। साथ ही वे नशे, नये कलाकारों के शोषण आदि अमानवीय धंधों से भी जुड़े दिखाई देते हैं। फिल्म पीके के बाद तो मानो हिंदु आस्थाओं की खिल्ली उड़ाना बॉलीवुड का पसंदीदा विषय ही बन गया। उल्लेखनीय है कि काली फिल्म का पोस्टर सामने आते ही लोगों की नाराजगी जमकर बरस रही है। फिल्म के एक पोस्टर में देवी काली का रूप धरे एक्ट्रेस सिगरेट पीती नजर आ रही है। फिल्म की डायरेक्टर लीना मणिमेकलई के विरुध्द मामला दर्ज हो चुका है। फिल्म में जिस तरह हिंदू देवी-देवताओं का मजाक उड़ाया गया है, उससे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। किंतु ऐसा पहली बार नहीं है जब किसी फिल्म में हिंदू-देवी देवताओं को इस तरह अपमान किया गया है। इसके पहले भी कई फिल्मों पर हिंदू देवी देवताओं का अपमान करने के आरोप लग चुके हैं। फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' का ट्रेलर सामने आते ही यह विवादों में घिर गई क्योंकि इस फिल्म में मंदिर के अंदर रणबीर जूते पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। वह जूते पहनकर मंदिर की घंटियां बजा रहे हैं। अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अभिनीत यह फिल्म 9 सितंबर 2022 को रिलीज हो गई है। ऐसे में लोग रणबीर के साथ करण जोहर को भी ट्रोल कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर फिल्म को बायकॉट करने की मांग उठ रही है। 2014 में आई आमिर खान की फिल्म पीके में भगवान शिव के रूप में एक किरदार को दिखाया गया था। वह एलियन से डरकर टॉयलेट में भागता है। इस दृश्य को देखने के बाद फिल्म की जमकर आलोचना हुई। आमिर की फिल्म को कई लोगों ने बायकॉट भी किया। 2021 में रिलीज होने वाली वेब सीरीज तांडव में भी एक ऐसा सीन था जिसे देखकर लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची थी। एक स्टेज शो के दौरान कलाकार जीशान अयूब भगवान शिव के रूप में नजर आते हैं। वेब सीरीज में जीशान को विवेकानंद नेशनल यूनिवर्सिटी के एक छात्र 'शिवा शेखर' के किरदार में दिखाया गया है। इस नाटक में वह हाथ में त्रिशूल और डमरू लेकर मंच पर आते हैं, लेकिन इस दौरान दर्शक आजादी-आजादी के नारे लगते हैं, लेकिन जीशान अयूब इस जगह पर एक आपत्तिजनक शब्द बोलते हैं। भगवान शिव के रूप में ऐसे शब्द मुंह से निकालने पर जीशान के साथ फिल्म निमार्ता को भी जनता के क्रोध का शिकार होना पड़ा। आपको अक्षय कुमार की फिल्म जिसका नाम पहले लक्ष्मी बॉम्ब रखा गया था, जिस कारण इसका काफी विरोध भी हुआ। अक्षय कुमार, धनुष और सारा अली खान की फिल्म 'अतरंगी रे' बीते साल रिलीज हुई थी। इस फिल्म में ऐसे कई दृश्य थे जो हिंदू धर्म के देवी-देवताओं और धर्मग्रंथों का अपमान करने वाले थे। फिल्म में भगवान शिव और हनुमान जी को लेकर अपशब्दों बोले गए साथ ही राम चरित मानस की भी आपत्तिजनक व्याख्या की गई है। फिल्म का एक दृश्य है जो ट्रेलर में भी दिखाया गया है, जिसमें सारा अली खान कहती हैं, 'हनुमान जी का प्रसाद समझे हैं, जो कोई भी हाथ फैलाएगा और हम मिल जाएंगे?' अनुराग बसु की फिल्म लूडो में सांकेतिक रूप से हिन्दू संस्कृति को चोट पहुँचाने की कोशिश की गई। इस फिल्म में स्वांग रचने वाले तीन लोग ब्रह्मा, विष्णु, महेश का रूप बना सड़क पर नाचते-कूदते दिखाया गया है। इतना ही नहीं, एक सीन में तो भगवान शंकर और महाकाली को गाड़ी में धक्का लगाते हुए भी दिखाया गया है। वेब सीरिज ए सूटेबल ब्वॉय में मंदिर प्रांगण में अश्लील सीन फिल्माने के साथ ही लव जिहाद को बढ़ावा देने का आरोप लगा। इस फिल्म को लेकर हिंदू संगठनों ने जमकर विरोध किया था। फिल्म सेक्सी दुर्गा के टाइटल को लेकर जमकर बवाल हुआ था। बाद में सेंसर बोर्ड ने फिल्म का नाम एस दुर्गा करवा दिया था। वास्तव में बॉलीवुड फिल्मों में हिंदू धर्म की गिरावट, भारतीय समाज में धर्म के महत्व की जानबूझकर अनदेखी धर्म को नुकसान पहुंचाकर हमारी उन पोषित परंपराओं को कमजोर किया जा रहा है जिनके महत्व की भारतीय समाज में व्यापक स्वीकृति रही।

> इस फिल्म को लेकर हिंदू संगठनों ने जमकर विरोध किया था। फिल्म सेक्सी दुर्गा के टाइटल को लेकर जमकर बवाल हुआ था। बाद में सेंसर बोर्ड ने फिल्म का नाम एस दुर्गा करवा दिया था। वास्तव में बॉलीवुड फिल्मों में हिंदू धर्म की गिरावट, भारतीय समाज में धर्म के महत्व की जानबूझकर अनदेखी धर्म को नुकसान पहुंचाकर हमारी उन पोषित परंपराओं को कमजोर किया जा रहा है

मानसिक तनाव एवं आत्महत्या की बढ़ रही प्रवृत्ति समाज के लिए चिंताजनक

श्याम

आये दिन समाचार पत्रों में आत्महत्या के खबर पढ़ने को मिलती है, आत्महत्याओं की घटना का बढता ग्राफ देश में एक बड़ी चुनौती की ओर इशारा करती है ' आधुनिकता की दौड़ में या किसी न किसी आभाव में आकर लोग आये दिन अवसाद में होते जा रहे है, परिणामस्वरूप अपनी मानसिक तनाव को संतुलित न कर पाना मुख्य कठिनाई है, मानसिक तनाव किसी भी उम्र में हो सकती है इसमें अधिकतर युवा वर्गों में इसकी तीव्रता अधिक देखने को मिलती है । परन्तु इस घटना में युवाओं से लेकर बूढ़े तक अपनी जीवन लीला समाप्त करने की सनक में झुलझते हुए मिल जायेंगे ' वर्तमान परिवेश में संघर्षो एवं चुनौतीपूर्ण माहौल एवं तनावग्रस्ता का बाजार इतना बढता जा रहा कि इस जघन्य अपराध को करने के लिए नहीं सोचते है ' आज सभी की जिन्दगी इतनी भागदौड़ भरी हो गई है अक्सर लोग मानसिक तनाव में रहने लगे हैं। मानसिक तनाव की वजह से आत्महत्या करने की घटनाएं बढ़ रही हैं। आत्महत्या की घटना में देखा गया है कि लोग पारिवारिक विवाद को लेकर तनाव में रहे थे तो कोई कारोबार में नुकसान, बेरोजगारी, आर्थिक कमजोरी, धोखाधड़ी से ग्रसित, कर्ज के जाल में फस जाना, प्यार न मिल पाना या प्यार में धोखा आदि और कई कारण हो सकते है जिससे लोग अपने आप को इतना तनाव महसूस करने लग जाते है कि आत्महत्या करने को लेकर अपनी सोच बना लेते है और ऐसे हालात में लोग अपनी जिंदगी को दांव पर लगा रहे हैं। इस प्रकार आत्महत्या करने की कई घटनाएं सामने आ चुकी है। आत्महत्याओं से जुड़े आकडे दिनोंदिन बढ़ते ही नजर आ रहे है, आत्महत्या की बढ़ रही प्रवृत्ति समाज के लिए चिंताजनक विषय है, सरकार के साथ-साथ हम सब को इस समस्या से निपटने के लिए उचित प्रयास करने की आवश्कता है । हाल ही में जारी हुई ठउफ्ह नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो रिपोर्ट में मप्र आत्महत्या के मामले में देश में महाराष्ट्र, तमिलनाडु के बाद तीसरे नंबर पर है। साल 2021 में प्रदेश में कुल 14965 लोगों ने खुदकुशी की है, यानी हर रोज 41 लोग जान दे रहे हैं। मन को झकझोर कर देने वाली बात यह है कि यह है कि प्रदेश में पिछले तीन सालों में सामूहिक आत्महत्या के बहुत से मामले सामने आए हैं। आत्महत्या की यह प्रवृत्ति ऐसा नहीं है कि किसी विशेष क्षेत्र या बसाहट में हो यह घटना छोटे शहरों और गांव में रहने वाले परिवार तक शामिल हैं। यदि इन घटनाओं के कारणों की समीक्षा करें तो अधिकतर घटनाओं में समान कारणों में ये देखा गया है कि अधिकतर परिवारों के आत्महत्या की वजह आर्थिक तंगी और कर्ज रहा । एक बात और समान रूप से देखी जा सकती है है कि एकल परिवार में यह अवसाद की संख्या अधिक देखी गई है ' कोरोना काल में तनावग्रस्ता की संख्या में अच्छाखासी बढोतरी देखने के लिए मिली है, काई दैनिक मजदूरों की मजदूरी चली गई, छोटे-बड़े व्यापारियों का व्यापार प्रभावित होने, बेरोजगारी बढ़ने, पारिवारिक उलझाने, आर्थिक तंगी आदि को लेकर तनाव बढ़ा है। इसके अलावा घरेलू पारिवारिक समस्याओं को लेकर भी लोग तनाव में रहते हैं। इन सबके चलते लोगो में असमय मानसिक तनाव की तीव्रता में इजाफा हुआ है इस कारण से लोग गलत कदम उठा लेते हैं और आत्महत्या की ओर रुख करने से नहीं झिझकते । यह स्थिति समाज के लिए अत्यंत चिंताजनक है। समाज के साथ सरकार को भी इसके बचाव के लिए उचित एवं कारगर कदम गंभीरता से उठाने की आवश्यकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई रास्ता नजर नहीं आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। आत्महत्या करने वालों में करीब 64 फीसदी यानी 1.05 लाख लोग ऐसे हैं, जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम थी। एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक बीते वर्ष देश में कुल 164033 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें से 118979 पुरुष, 45026 महिलाएं और 28 ट्रांसजेंडर थे। आत्महत्या करने वाली आधी से भी ज्यादा 23178 गृहिणियां थी जबकि 5693 छात्राओं और 4246 दैनिक वेतनभोगी महिलाओं ने आत्महत्या की। गृहिणियों द्वारा आत्महत्या के सर्वाधिक मामले तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में क्रमशः 3221, 3055, 2861 दर्ज किए गए, देश में 2020 में आत्महत्या के कुल 153052 मामले दर्ज हुए थे और 2021 में आत्महत्या की दर में 7.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई। आत्महत्या को रोकने की जिम्मेदारी के लिए हम सब को कंही न कही परिवार, समाज और नजदीकी लोग काफी बड़ी भूमिका निभा सकते है ' परन्तु कई बार हमारे नजदीक होने के बाद भी हमें अपने दोस्तों और परिचितों के मानसिक तनाव को भलीभांति समझ नही पाते है, और न ही अवसाद से ग्रसित व्यक्ति अपने हालत किसी के सामने उजागर करता है। कारण लोगो के सामने उसकी इज्जत धूमिल होने का डर, लोग मुझे क्या समझेंगे आदि बाते । हालांकि माना जाता रहा है कि आत्महत्याओं को रोकना सरकार का काम नहीं है बल्कि इसके लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी समाज और परिवार की है लेकिन आत्महत्या के बीते वर्ष के आंकड़े समाज के साथ-साथ सरकार के समक्ष भी गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। दरअसल देशभर में लोग यदि इतनी बड़ी संख्या में मौत को गले लगाने को विवश हो रहे हैं तो यह मानने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि इसके लिए कहीं न कहीं हमारा समाज और सरकार की नीतियां भी जिम्मेदार हैं। भले ही सरकार द्वारा रोजगार को लेकर हालात बेहतर होने के दावे किए जा रहे हैं लेकिन वास्तविकता यही है कि महंगाई और बेरोजगारी ने गरीब और मध्यवर्ग की कमर तोड़ कर रख दी है। गरीब व्यक्ति के पास खाने को कुछ नहीं होगा, उसके पास रोजगार का कोई साधन नहीं होगा या वह भारी-भरकम कर्ज के बोझ तले दबा होगा ऐसे में न चाहते हुए भी अवसाद का शिकार होकर वह आत्महत्या जैसा कदम उठाने को मजबूर होगा। देश में आत्महत्या के मामलों का ग्राफ साल दर साल ऊपर क्यों जा रहा है, इसे लेकर न केवल सरकारों को बल्कि समाज को भी गंभीरता से विचार करना होगा और इसके कारणों के निदान के प्रयास भी करने होंगे, तभी आत्महत्या के मामलों में कमी की अपेक्षा संभव है। आत्महत्या जैसे जघन्य कृत्य बचने के लिए लोगों को अपने मन में नकारात्मक विचारों को नहीं आने देना चाहिए।

पितृपक्ष श्राद्ध में पूर्वज आशीर्वाद देने आते हैं ऐसी मान्यता हैं

किशन भावनानी

भारत में श्रद्धा भाव भक्ति आस्था मयार्दा आध्यात्मिकता सहित हजारों कर्म गुण जिसमें बड़े बुजुर्गों गुरुओं पूर्वजों का सम्मान है, उनकी छत्रछाया हमेशा बनी रहे यह भाव प्राचीन काल से ही ममतामई भारत माता की गोद में रहने वाले हर व्यक्ति में समाया हुआ है जिसकी दुनिया कायल है और यह आस्था देखने हजारों सैलानी प्रतिवर्ष भारत आकर इसके गवाह बनते हैं। चूंकि 11 से 25 सितंबर तक पितृपक्ष श्राद्ध के दिन हैं हालांकि कहीं 10 सितंबर से ही शुरू है, इसीलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से पितृपक्ष श्राद्ध पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम पितुपक्ष श्राद्ध में मान्यताओं की करे तो, मान्यता है यदि विधि-विधान से पितरों का तर्पण न किया जाए तो उनको मुक्ति प्राप्त नहीं होती। श्राद्ध करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है। कहा जाता है कि पितृ पक्ष में यमराज पितरों को अपने परिजनों से मिलने के लिए मुक्त कर देते हैं और 15 दिनों तक पितर धरती पर रहते हैं।हिंदू धर्म में पितृ पक्ष व श्राद्ध की प्रथा प्राचीन काल से चली आ रही है और इसका विशेष महत्व है। कहा जाता है कि यदि पितर नाराज हो जाए तो व्यक्ति को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इसलिए उन्हें प्रसन्न करने व उनका आशीर्वाद पाने के लिए पितृ पक्ष उनका तर्पण अवश्य करना चाहिए। इस दौरान दान करने से भी पुण्य मिलता है, साथ ही कुछ नियमों का भी पालन करना अनिवार्य होता है।

पितृपक्ष श्राद्ध 11 सितंबर से शुरू हो रहा है। लेकिन 10 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा के दिन ऋषि तर्पण के साथ महालय का आरंभ हो जाएगा। शास्त्रों में बताया गया है कि भाद्र शुक्ल पूर्णिमा का धार्मिक दृष्टि से बड़ा ही महत्व है। इस दिन अगस्त मुनि सहित ऋषियों के नाम से तर्पण किया जाता है और उन्हें जल दिया जाता है। ऐसा माना जाता है कि श्राद्ध की शुरूआत में पूर्वज अपना हिस्सा लेने के लिए पृथ्वी पर आते हैं, इसलिए उनकी तिथि से एक दिन पहले शाम के समय दरवाजे के दोनों ओर पानी दिया जाता है, जिसका अर्थ है कि आप अपने पूर्वजों को आमंत्रित कर रहे हैं। और दूसरे दिन जब किसी ब्राह्मण को उसके नाम से भोजन कराया जाता है तो उसका सूक्ष्म रूप पितरों तक भी पहुंच जाता है। बदले में पूर्वज आशीर्वाद देते हैं और अंत में पूर्वज संसार में लौट आते हैं। यह भी देखा गया है कि जो लोग पितरों को नहीं मनाते वे बहुत परेशान रहते हैं। साथियों बात अगर हम 11 से 25 सितंबर 2022 प्रतिदिन के मान्यताओं के अनुसार उसके महत्व की करें तो,11 सितंबर रविवार द्वितीया का श्राद्ध 12 सितंबर सोमवार तृतीया काश्राद्ध 13 सितंबर मंगलवार चतुर्थी का श्राद्ध 14 सितंबर बुधवार पंचमी का श्राद्ध 15 सितंबर बृहस्पतिवार षष्ठी का श्राद्ध 16 सितंबर शुक्रवार सप्तमी का श्राद्ध 18 सितंबर रविवार अष्टमी का श्राद्ध 19 सितंबर सोमवार नवमी/सौभाग्यवतीनां श्राद्ध 20 सितंबर मंगलवार दशमी का श्राद्ध 21 सितंबर बुधवार एकादशी का श्राद्ध 22 सितंबर बृहस्पतिवार द्वादशी/सन्यासियों का श्राद्ध 23 सितंबर शुक्रवार त्रयोदशी का श्राद्ध, मघा श्राद्ध 24 सितंबर शनिवार चतुर्दशी का श्राद्ध - चतुर्दशी तिथि के दिन शस्त्र, विष, दुर्घटना से मृतों का श्राद्ध होता है चाहे उनकी मृत्यु किसी अन्य तिथि में हुई हो। यदि चतुर्दशी तिथि में सामान्य मृत्यु हुई हो तो उनका श्राद्ध अमावस्या तिथि में करने का विधान है। अपमृत्यु वालों का श्राद्ध 25 सितंबर रविवार अमावस, अमावस्या का श्राद्ध, सर्वपितृ अमावस्या,सर्वपितृ अमावस्या का श्राद्ध, महालय श्राद्ध, अज्ञात मृत्यु तिथि वालों का श्राद्ध (जिनकी तिथि नहीं पता हो) श्रद्धया इदं श्राद्धम्? (जो श्रद्धा से किया जाय, वह श्राद्ध है।) भावार्थ है प्रेत और पित्तर के निमित्त, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए श्रद्धापूर्वक जो अर्पित किया जाए वह श्राद्ध है। साथियों बात अगर हम एक अनुभव शेयर करने की करें तो मेरी परम पूज्य माता का 22 माह पूर्व परलोक गमन हुआ था और 24 सितंबर 2022 को उनका दूसरा श्राद्ध निकला है और हम माताजी को गया जी बिहार में प्रभु चरणों में अर्पित करने का विचार लेकर माननीय पंडित जी के पास गए तो उन्होंने जानकारी दी कि माताजी के श्राद्ध कम से कम 3 साल करने होंगे उसके बाद ही गया जी गमन किया जा सकता है ऐसी मान्यता और धार्मिक नियम की उन्होंने जानकारी दी, पर चूंकि हम अपनी छोटी बहन, पिताजी का भी गया जी गमन करना है इसलिए पंडित जी ने कुछ पूजा कर माताजी के गमन की भी अनुमति दी है, परंतु हम विचार में पड़ गए हैं कि मान्यताओं का पूरा पालन किया जाए।

भारत-चीन: शुरूआत अच्छी

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

पिछले ढाई-तीन साल से भारत और चीन के संबंधों में जो तनाव पैदा हो गया था, वह अब कुछ घटता नजर आ रहा है। पूर्वी लद्दाख के गोगरा हॉट स्प्रिंग क्षेत्र से दोनों देशों की सेनाएं पीछे हटने लगी हैं। दोनों देशों के फौजियों के बीच दर्जनों बार घंटों चली बातचीत का यह असर तो है ही लेकिन ऐसा लगता है कि इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका हमारे विदेश मंत्री जयशंकर की रही है। जयशंकर चीन के विदेश मंत्री से कई बार बात कर चुके हैं। वे चीन में हमारे राजदूत रह चुके हैं। इसके अलावा अब अगले सप्ताह समरकंद में होनेवाली शांघाई सहयोग संगठन की बैठक में हमारे प्रधानमंत्री और चीन के नेता शी जिंगपिंग भी शीघ्र ही भाग लेने वाले हैं।

हो सकता है कि वहां दोनों की आपसी मुलाकात और बातचीत हो। वहां कोई अप्रियता पैदा नहीं हो, इस दृष्टि से भी दोनों फौजों की यह वापसी प्रासंगिक है।

मोदी और शी के व्यक्तिगत संबंध जितने अनौपचारिक और घनिष्ट रहे हैं, उतने बहुत कम विदेशी नेताओं के होते हैं। इसके बावजूद दोनों में इस सीमांत मुठभेड़ के बाद अनबोला शुरू हो गया था। अब वह टूटेगा, ऐसा लगता है। यहां यह भी ध्यातव्य है कि गलवान घाटी मुठभेड़ के बाद चीन की वस्तुओं के बहिष्कार के आह्वान के बावजूद भारत-चीन व्यापार में इधर अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। चीन के सिर पर यह तलवार लटकी रहती है कि भारत-जैसा बड़ा बाजार उसके हाथ से खिसक सकता है। चीन के नीति-निमार्ताओं पर एक बड़ा दबाव यह भी है कि आजकल भारत पूर्व एशिया में अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान से जुड़कर चीन की नींद हराम क्यों कर रहा है?

ग्रुप केन्द्र केरिपुबल जम्मू ने बास्केटबाल प्रतियोगिता-2022 का किया आयोजन

जम्मू। केरिपुबल के महानिरीक्षक जम्मू सेक्टर द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार ग्रुप केन्द्र जम्मू में बास्केटबाल प्रतियोगिता-2022 आयोजित करवाई गई जिसमें जम्मू सेक्टर के अंतर्गत आने वाली परिचालनिक बटालियन 06, 33, 38, 52, 72, 76, 84, 121, 126, 137, 160, 166, 187 ग्रुप केन्द्र हीरानगर, ग्रुप केन्द्र जम्मू की कुल 15 टीमों ने भाग लिया। इसकी जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि भानु प्रताप सिंह केरिपुबल महानिरीक्षक ग्रुप केन्द्र जम्मू द्वारा उक्त प्रतियोगिता का समापन किया गया। समापन समारोह के दौरान प्रेम चन्द्र गुप्ता कमाण्डेंट, ग्रुप केन्द्र जम्मू, सुमित शर्मा उप कमाण्डेंट, अजय शर्मा सहायक कमाण्डेंट व अन्य राजपत्रित अधिकारी भी उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य के.रि.पु.बल के जवानों के मन में खेल के प्रति जागरूकता व खेल भावना को बनाए रखना था। प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्राफी भेंट कर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को ग्रुप केन्द्र, के.रि.पु.बल, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में 20 सितंबर से 23 सितंबर तक आयोजित होने वाली अन्तर सेक्टर बास्केटबाल प्रतियोगिता-2022 के लिए चयन किया गया।

उपरोक्त प्रतियोगिता का सफल आयोजन भानु प्रताप सिंह उप महानिरीक्षक ग्रुप केन्द्र, जम्मू के कुशल नेतृत्व में किया गया जिसमें ग्रुप केन्द्र जम्मू के प्रेम चन्द गुप्ता कमाण्डेंट, सुमित वर्मा उप कमाण्डेंट, अजय शर्मा, सहायक कमाण्डेंट तथा अन्य राजपत्रित अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों द्वारा भरपूर सहयोग किया गया।

डूरंड कपः दौदा के दो गोल से मोहम्मडन स्पोर्टिंग सेमीफाइनल में

कोलकाता। कोलकाता की दिग्गज टीम मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने यहां डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले क्वार्टर फाइनल में केरल ब्लास्टर्स की युवा और प्रतिभाशाली टीम को 3-0 से हरा दिया। मोहम्मडन स्पोर्टिंग की ओर से नाइजीरिया के दौदा (59वें और 84वें

मिनट) ने दो गोल किए जबकि एसके फैयाज (17वें मिनट) ने पहले हाफ में एक गोल दागा।

स्पोर्टिंग की टीम इस मैच में फसलू और अभिषेक हलदर जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के बिना उतरी थी जो चोटों और निलंबन के कारण बाहर हैं। स्पोर्टिंग की टीम ने हालांकि शुरू से ही दबदबा बनाया और आसान जीत के साथ अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रही।

युवराज संधू ने जम्मू कश्मीर ओपन में चार शॉट की मजबूत बढ़त बनाई

जम्मू। युवराज सिंह संधू यहां जम्मू-कश्मीर ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर में सात-अंडर 65 के शानदार स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए। टूर्नामेंट के अब तक के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ उन्होंने चार-शॉट की बढ़त हासिल कर अपना दबदबा बनाया। पीजीटीआई में तीन बार के विजेता चंडीगढ़ के संधू (69-70-65) का तीसरे दिन के खेल के बाद कुल स्कोर 12-अंडर 204 था। उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी खलिन जोशी (70-68-70) का स्कोर आठ अंडर 208 है। हैदराबाद के मोहम्मद अजहर (70) और गुरुग्राम के वीर अहलावत (72) दो अंडर 214 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर है। प्रमुख खिलाडियों में मनु गंडास दो ओवर 218 के स्कोर के साथ नौवें, राशिद खान चार ओवर 220 के स्कोर के साथ 14वें, उदयन माने छह ओवर 222 के स्कोर के साथ 23वें और मौजूदा चैम्पियन हनी बैसोया आठ ओवर 224 के स्कोर के साथ 30वें स्थान पर है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिनी से बाहर हुए मार्कस स्टोइनिस, वार्नर को आराम

मेलबर्न। चोटिल आलराउंडर मार्कस स्टोइनिस न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को खेले जाने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच से बाहर हो गए हैं, जबकि डेविड वार्नर को आराम दिया गया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने एक बयान में कहा, 'स्टोइनिस, जो लो-लेवल साइड स्ट्रेन का सामना कर रहे थे, पर्थ में इस महीने के अंत में टीम के भारत दौरे के लिए रिहैबिलिटेशन से गुजरेंगे। सीए ने आगे कहा, डेविड वार्नर को अगले 12 महीनों में भारी काम के बोझ के देखते हुए आराम दिया गया है।

गौरतलब है कि यह पहले ही घोषणा कर दी गई थी कि वार्नर इस महीने के अंत में होने वाले टी20ई श्रृंखला के लिए भारत की यात्रा नहीं करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई

टीम इस महीने के अंत में तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारत दौरे पर होगी।

तेज गेंदबाज नाथन एलिस को स्टोइनिस के प्रतिस्थापन के रूप में टीम में शामिल किया गया है। बता दें कि केर्न्स में रविवार का मैच कप्तान आरोन फिंच का अंतिम एकदिवसीय मैच होगा, जिन्होंने इससे पहले शनिवार को 50 ओवर के प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिनी श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया 2-0 से आगे है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहला एकदिनी 2 विकेट से और दूसरा एकदिनी 113 रनों से जीता था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिनी के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है- सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स केरी, नाथन एलिस, एरोन फिंच (कप्तान), कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुस्चगने, ग्लेन मैक्सवेल, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा।

नीरज चोपड़ा के लगी चोट, राष्ट्रीय खेलों में भाग लेना मुश्किल

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के निर्देश के बावजूद चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र और कमर में चोट के कारण आगामी राष्ट्रीय खेलों में भाग लेना मुश्किल है। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा ने ज्यूरिख में प्रतिष्ठित डायमंड लीग फाइनल का खिताब जीत कर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। वह इस खिताब को जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके एक दिन बाद उनसे 29 सितंबर से 12 अक्टूबर तक गुजरात के विभिन्न शहरों में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के बारे में पूछा गया।

चोपड़ा ने कहा, 'राष्ट्रीय खेल करीब आ रहे हैं। मैं अभी कमर की चोट से उबर रहा हूं। मैं एक या दो सप्ताह तक प्रशिक्षण नहीं ले पाऊंगा। इसलिए मैं मुख्य रूप से अगले साल पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।' आईओए ने देश के शीर्ष एथलीटों के लिए खेलों में भाग लेना अनिवार्य कर दिया है, जिससे कई खिलाड़ियों को अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ सकता है। आईओए का निर्देश गृह मंत्री अमित शाह द्वारा खेलों के शुभंकर और राष्ट्रगान के लॉन्च के बाद आया है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह अब तक के सबसे बड़े और भव्य राष्ट्रीय खेल होंगे। राष्ट्रीय खेलों का आयोजन सात साल के लंबे अंतराल पर होगा। इस चोट के कारण चोपड़ा अमेरिका में हुए विश्व चैम्पियन में रजत पदक जीतने के बाद इस साल जुलाई-अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में भाग नहीं ले पाए थे। उन्होंने हालांकि एक महीने के बाद 26 अगस्त को डायमंड लीग सीरीज के लुसाने चरण को जीतकर यहां फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और इसके विजेता बनकर अंतरराष्ट्रीय सत्र को शानदार तरीके से खत्म किया।

यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे अल्कराज, कैस्पर रूड से होगा सामना

न्यूयॉर्क। तीसरे वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अल्कराज ने रात आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल में घरेलू पसंदीदा फ्रांसेस टियाफो को हराया।

दिग्गज अमेरिकी पीट सम्प्रास के बाद अल्कराज ओपन एरा में यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे किशोर हैं। उनसे पहले हैं। अल्कराज ने 4 घंटे 19 मिनट तक चले मैच में टियाफो को 6-7 (6), 6-3, 6-1, 6-7 (5), 6-3 से हराया। खिताबी मुकाबले में अब रविवार को अल्कराज का सामना नार्वे के कैस्पर रूड से होगा जिन्होंने सेमीफाइनल में करेन खाचानोव को 7-6(5), 6-2, 5-7, 6-2 से शिकस्त दी।

मैच के बाद अल्कराज ने कहा एक ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में आपको अपना सब कुछ लगाना होता है... इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमने पांच घंटे या छह घंटे तक संघर्ष किया। आपको कोर्ट पर सब कुछ देना होगा।

उन्होंने कहा, टियाफो ने आश्चर्यजनक रूस से बेहतरीन प्रदर्शन किया और कोर्ट पर अपना सब कुछ लगा दिया। उन्होंने कहा, बड़ी चीजों के लिए लड़ने

में सक्षम होना आश्चर्यजनक है। पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचा हूं और कैस्पर रुड के खिलाफ मुकाबले को लेकर रोमांचित हूं।

निसांका के अर्धशतक से श्रीलंका ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया

दुबई। श्रीलंकाई टीम ने एशिया कप 2022 में सुपर 4 के आखिरी मुकाबले में पाकिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया है। श्रीलंका की जीत में निसांका की प्रमुख भूमिका रही जिन्होंने अर्धशतक लगाकर टीम को बुरी स्थिति से बाहर निकाला और जीत दिलाई। इससे पहले श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने टॉस जीतने के बाद पाकिस्तान को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाकिस्तान की टीम श्रीलंकाई गेंदबाजों के आगे टिक नहीं पाई और 121 रन पर ऑल आऊट हो गई थी। दोनों टीमों के बीच फाइनल मुकाबला 11 तारीख को खेला जाएगा।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

पाकिस्तान : मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), बाबर आजम (कप्तान), फखर जमान, इफ्तिखार अहमद, खुशदिल शाह, आसिफ अली, मोहम्मद नवाज, उस्मान कादिर, हारिस रऊफ, मोहम्मद हसनैन, हसन अली

श्रीलंका : पथुम निसानका, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), धनंजया डी सिल्वा, दनुष्का गुणाथिलका, भानुका राजपक्षे, दासुन शनाका (कप्तान), वनिन्दु हसरंगा, चमिका करुणारत्ने, प्रमोद मदुशन, महेश थीक्षाना, दिलशान मदुशंका।

यूएस ओपन : राजीव राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी ने जीता पुरुष युगल का खिताब

न्यूयॉर्क। राजीव राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी ने यूएस ओपन के पुरुष युगल का खिताब जीत लिया है। राजीव-सैलिसबरी ने शुक्रवार देर रात खेले गए फाइनल मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त वेस्ले कूलहोफ और नील स्कूप्स्की की जोड़ी को हराकर एक टीम के रूप में अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। राम और सैलिसबरी की जोड़ी ने कूलहोफ और स्कूप्स्की को 7-6(4), 7-5 से हराकर यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया। यह मुकाबला एक घंटे और 57 मिनट तक चला।

इस शानदार जीत के साथ, अमेरिकी-ब्रिटिश जोड़ी नवंबर में निटो एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने वाली कूलहोफ और स्कूप्स्की के बाद दूसरी टीम बन गई है। राम ने ट्रॉफी समारोह के दौरान कहा, मेरे पास वास्तव में कोई शब्द नहीं है। जब मैं 14 साल का था, तब मैं इस स्टेडियम में आर्थर ऐश किड्स डे खेलने के लिए आया था और मैंने सम्प्रास को इस टूर्नामेंट को जीतते हुए देखा था। मैंने जेम्स [ब्लेक] को 2005 में आंद्रे अगासी के खिलाफ एक अद्भुत मैच खेलते देखा था।

मैंने एंडी रॉडिक, वीनस और सेरेना को इस टूर्नामेंट को जीतते देखा। मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूं कि एक अमेरिकी के रूप में इसका एक छोटा सा हिस्सा बन सका। यहां आने और समर्थन देने के लिए सभी लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद।

अमनदीप द्राल स्विस ओपन में संयुक्त तीसरे स्थान पर

होल्जहौसर्न (स्विट्जरलैंड)। भारतीय गोल्फर अमनदीप द्राल ने महिलाओं के यूरोपीय टूर में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्विस लेडीज ओपन के पहले दौर में पांच अंडर 67 का कार्ड खेला। अमनदीप अभी संयुक्त तीसरे स्थान पर है। वह संयुक्त बढ़त हासिल करने वाली क्रिस्टीन वुल्फ और लिन ग्रांट से दो शॉट पीछे हैं। अमनदीप ने जहां शानदार खेल का नजारा पेश किया वहीं भारत की अन्य खिलाड़ी सामान्य प्रदर्शन नहीं कर पाई। दीक्षा डागर और वाणी कपूर ने दो अंडर 70 का कार्ड खेला और वे संयुक्त 26वें स्थान पर हैं। त्वेसा मलिक ने इवन पार 72 का स्कोर बनाया और वह संयुक्त 50वें स्थान पर हैं। रिदिमा दिलावरी और नेहा त्रिपाठी ने पहले दौर का खेल पूरा नहीं किया था।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणारविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेंगे अपना आखिरी एकदिवसीय मैच

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना आखिरी एकदिवसीय मैच खेलेगें। फिंच इस मैच के बाद एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। फिंच, जिन्होंने 145 एकदिवसीय मैचों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है, ने इस साल 50 ओवरों के क्रिकेट में अपनी पिछली सात पारियों में केवल 26 रन बनाए। फिंच ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह कुछ अविश्वसनीय यादों के साथ एक शानदार यात्रा रही है।

उन्होंने कहा, मैं कुछ शानदार एकदिवसीय टीमों का हिस्सा बनने के लिए बेहद भाग्यशाली रहा हूं। समान रूप से, मुझे उन सभी का आशीर्वाद मिला है, जिनके साथ मैंने खेला है। अब समय आ गया है कि एक नए कप्तान को अगले विश्व कप की तैयारी करने और जीतने का सबसे अच्छा मौका दिया जाए। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने इस मुकाम तक मेरी यात्रा में मदद और समर्थन किया है। फिंच ऑस्ट्रेलिया के आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2024 टीम का हिस्सा नहीं होंगे,हालांकि इस साल के टी 20 विश्व कप में वह टीम की कप्तानी करना जारी रखेंगे। फिंच ने 145 एकदिनी मैचों में 17 शतकों और 30 अर्धशतकों के साथ 5401 रन बनाए हैं। उन्होंने 2013 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में श्रीलंका के खिलाफ पदार्पण किया और स्कॉटलैंड के खिलाफ 148 रन बनाकर अपना पहला शतक बनाया। 2018 में गेंद से छेड़छाड़ मामले में स्टीव स्मिथ पर प्रतिबंध लगाने के बाद फिंच को स्थायी तौर पर ऑस्ट्रेलियाई सफेद गेंद टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने कहा, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की ओर से, मैं आरोन को ऑस्ट्रेलियाई पुरुष एकदिवसीय टीम के कप्तान के रूप में और 50 ओवर के प्रारूप के एक अद्भुत प्रतिपादक के रूप में

उनके विशाल योगदान के लिए बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा, आरोन एक बहुत ही प्रतिभाशाली और दृढ़निश्चयी खिलाड़ी हैं, जिनके बल्ले के साथ उत्कृष्ट कार्य उनके मजबूत और प्रेरक नेतृत्व से मेल खाते हैं। मुझे खुशी है कि आरोन आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम का नेतृत्व करेंगे जहां उनका नेतृत्व, अनुभव और रणनीति घरेलू धरती पर हमारे टी20 विश्व कप खिताब की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

आसिफ अली और फरीद अहमद पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

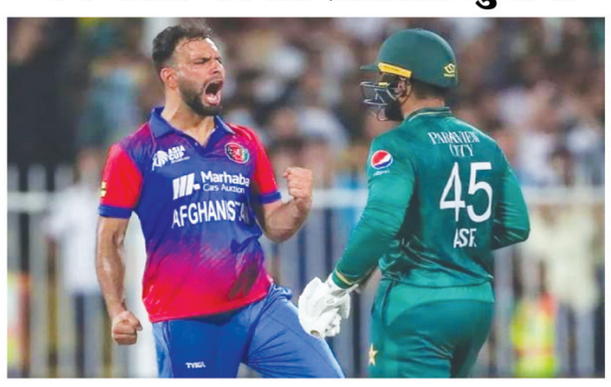

दुबई। पाकिस्तान के बल्लेबाज आसिफ अली और अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज फरीद अहमद दोनों पर शारजाह में एशिया कप मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के स्तर 1 के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'आसिफ अली ने आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.6 का उल्लंघन किया जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अश्लील, आक्रामक या अपमानजनक इशारे से संबंधित है, वहीं फरीद को धारा 2 . 1 . 12 के उल्लंघन का दोषी पाया गया जो खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ, अंपायर , मैच रैफरी या किसी भी व्यक्ति के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क संबंधित है। इसके अलावा, खिलाड़ियों के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक-एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, दोनों ने 24 महीने की अवधि में कोई पिछला अपराध नहीं किया है।÷ दरअसल मैच के 19वें ओवर यह घटना घटी। ओवर की चौथी गेंद पर पाकिस्तानी बल्लेबाज आसिफ अली ने फरीद की गेंद पर छक्का जड़ दिया, अगली ही गेंद पर फरीद ने आसिफ को आउट कर दिया और आसिफ के सामने जाकर आक्रामक तरीके से जश्न मनाने लगे, इसे देखकर आसिफ ने फरीद पर बल्ला तान दिया, हालांकि अंपायर और अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर दोनों को अलग कर दिया। मैदानी अंपायर अनिल चौधरी और जयरामन मदनगोपाल, तीसरे अंपायर गाजी सोहेल और चौथे अंपायर रवींद्र विमलसारी ने आरोप लगाए। स्तर 1 के उल्लंघनों में न्यूनतम दंड आधिकारिक फटकार है, जबकि अधिकतम दंड, एक खिलाड़ी की मैच फीस का अधिकतम 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो अवगुण अंक होते हैं।

छत्तीसगढ़ चीफ मिनिस्टर ट्रॉफी का आयोजन 18 सितंबर से

रायपुर। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ , खेल एवं युवा कल्याण, छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के मार्गदर्शन व संरक्षण में छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ द्वारा 20 वर्षों के बाद पुनः छत्तीसगढ़ चीफ मिनिस्टर ट्रॉफी इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर्स चेस टूर्नामेंट आयोजन वृहद स्तर पर 18 सितंबर से 28 सितंबर तक राजधानी रायपुर में आयोजित किया जाना है। इस टूर्नामेंट में विश्व के 15 देशों के लगभग 500 शतरंज के दिग्गज शामिल होंगे।विजेता खिलाडियों को मिलेंगे 35 लाख रुपये पुरस्कार राशि दी जाएगी ।

इन स्पर्धाओं के चुनिंदा 50 खेलो का विश्व की प्रमुख चेस साइट के माध्यम से प्रतिदिन लाइव प्रसारण किया जावेगा । एक प्रेस वार्ता में छत्तीसगढ़ ओलिंपिक संघ के महासचिव एवं प्रदेश शतरंज संघ के मुख्य संरक्षक गुरुचरण सिंह होरा ने यह जानकारी दी है।

आयोजन समिति के चेयरमैन व छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के मुख्य संरक्षक गुरुचरण सिंह होरा ने बताया कि यह टूर्नामेंट दो दशक के लंबे अंतराल के बाद दोबारा हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस तरह के आयोजन से निश्चित रूप से देश- प्रदेश के शतरंज खिलाडियों के लिए यह टूर्नामेंट मील का पत्थर साबित होगा। इस स्पर्धा में विजेता ट्रॉफी के आलावा कुल 35 लाख रुपये पुरस्कार राशि रखी गई है। प्रतियोगिता दो कैटेगरी अर्थात मास्टर्स व चैलेंजर्स के रूप में करायी जा रही है। मास्टर्स कैटेगरी में 23 लाख रुपये एवं ट्रॉफी तथा चैलेंजर्स में 12 लाख रुपये एवं ट्रॉफी पुरस्कार स्वरूप विजयी खिलाड़ियों को दिए जाएंगे। वहीँ इस टूर्नामेंट का आयोजन लगभग 1 करोड़ 75 लाख रूपये की लागत से कराया जायेगा।

भारत सहित कुल 15 देशों की अब तक एंट्री

सी एम ट्रॉफी में भाग लेने वाले देशों में इंडिया, रसिया, उक्रेन, जॉर्जिया, यू एस ए, काजिकस्तान, मंगोलिया, पोलैंड, वियतनाम, कोलंबिया, ईरान, श्रीलंका, बांग्लादेश, जिम्बाब्वे व नेपाल सहित 15 देशों से भाग लेने वाले खिलाड़ियों की एंट्री हो चुकी है।

होटल ग्रेंड इम्पीरिया और शगुन फॉर्म में होगा आयोजन

मास्टर्स केटेगरी की स्पर्धा होटल ग्रेंड इम्पीरिया एवं चैलेंजर्स केटेगरी की स्पर्धा शगुन फॉर्म वी

आई पी रोड रायपुर में संपन्न होगी। उक्त स्पर्धा 10 चक्रों में संपन्न होंगी तथा प्रति दिवस 1 ही मैच अपरान्ह 3 बजे से खेला जाएगा। वहीं चैलेंजर्स का मुकाबला शगुन फार्म में होगा। जहाँ खिलाड़ी प्रति दिन दो-दो चक्र प्रातः 9 बजे व अपरान्ह 3 बजे से खेल सकेंगे। इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले दिग्गज खिलाड़ियों में अब तक 16 ग्रैंडमास्टर्स,17 इंटरनेशनल मास्टर्स, 02 वीमेन ग्रैंडमास्टर्स, 08 वीमेन इंटरनेशनल मास्टर्स , 05 फीडे मास्टर्स एवं 200 ईलो रेटेड खिलाडियों के नाम शुमार है। रजिस्ट्रशन की अंतिम तिथि 12 सितम्बर तक रखी गई है जिसमे और ख्याति प्राप्त खिलाड़ियों के आने की सम्भावना है।

इस्तांबुल: 4 मेट्रोबसों की टक्कर में 42 लोग घायल

इस्तांबुल। इस्तांबुल के अवसीलर शहर में रैपिड ट्रांजिट रूट पर चार मेट्रोबसों की टक्कर में कम से कम 42 लोग घायल हो गए। राज्य द्वारा संचालित अनादोलु एजेंसी के अनुसार, दो मेट्रोबसों की एवीसीलर स्टॉप में आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस दौरान दो

अन्य पीछे से आने वाली मेट्रोबस भी दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

समाचार एजेंसी ने इस्तांबुल के गवर्नर अली येरलिकाया के हवाले से एक आधिकारिक बयान में कहा, 'सभी (42) घायल नागरिकों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में शिफ्ट कर दिया गया है।' बोस्फोरस जलडमरूमध्य पर पुल को पार करते हुए मेट्रोबस इस्तांबुल के एशियाई पक्ष और यूरोपीय पक्ष के बीच 50 किलोमीटर रैपिड ट्रांजिट रूट पर चलती है, जो हर दिन 10 लाख से अधिक नागरिकों को लाती-ले जाती है।

अमेरिका : मैरीलैंड के एक घर में मिले 5 शव, गोली मारकर हत्या का अंदेशा

वाशिंगटन। अमेरिका के मैरीलैंड में सेसिल काउंटी के एक आवास में दो वयस्क और तीन बच्चे मृत पाए गए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सेसिल काउंटी शेरिफ कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि एक व्यक्ति ने सुबह 911 पर फोन करके बताया कि तीन बच्चों और एक महिला की गोली मारकर हत्या कर

दी गई है। विज्ञप्ति में कहा गया है, 'मृत वयस्क पुरुष के पास एक सेमी-ऑटोमेटिक हैंडगन थी।' सेसिल काउंटी शेरिफ स्कॉट एडम्स ने दोपहर संवाददाताओं से कहा, 'यह हमारे काउंटी और हमारे समुदाय के लिए एक दुखद और भयानक दिन है।' जांचकर्ता फिलहाल घटनास्थल पर तलाशी कर रहे हैं और घटना की सक्रियता से जांच कर रहे हैं।

इंडोनेशिया में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया, सुनामी का खतरा नहीं

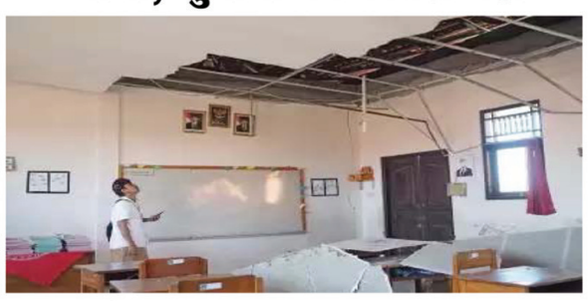

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी प्रांत पापुआ में शनिवार को भूकंप के झटके महसूस हुए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.2 आंकी गई। यह जानकारी देश की मौसम विज्ञान एजेंसी ने दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने कहा कि भूकंप को तीव्रता को वर्गीकृत किया गया है, जो पहले 6.0, 5.9 और 5.5 की तीव्रता के साथ प्रांत में आया। भूकंप सुबह 7.05 बजे आया, जिसका केंद्र मेम्बरमो तेंगाह जिले से 37 किमी उत्तर-पश्चिम में और पृथ्वी के नीचे 10 किमी की गहराई पर था। एजेंसी के अनुसार, भूकंप में सुनामी को ट्रिगर करने की क्षमता नहीं थी। भूकंप में किसी के हताहत होने या नुकसान के बारे में तत्काल कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

क्वीन को याद कर भावुक हुए किंग चार्ल्स-III

देश के नाम पहले संबोधन में बोले- डार्लिंग मम्मा आप मेरे और परिवार के लिए प्रेरणा थीं

लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ-II के निधन के बाद उनके बेटे प्रिंस चार्ल्स नए किंग बन गए हैं। अब उन्हें किंग चार्ल्स-III के नाम से जाना जाएगा। बतौर राजा वे 9 सितंबर को पहली बार बकिंघम पैलेस पहंचे। देश के नाम अपने पहले संबोधन में कहा कि वे महारानी की तरह ही पूरी निष्ठा और प्रेम के साथ लोगों की सेवा करेंगे।

अपनी मां के नाम एक आखिरी संदेश देते हुए किंग चार्ल्स III काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा- मेरी प्यारी मां मेरे और परिवार के लिए इंस्पिरेशन थीं। 1947 में मेरी मां ने अपने 21वें जन्मदिन पर एक प्रण लिया था। वे पूरी जिंदगी सिर्फ लोगों की सेवा करना चाहती थीं। ये एक वादे से ज्यादा लोगों के लिए किया गया कमिटमेंट था जिसे उन्होंने पूरी जिंदगी निभाया।

अपने दोनों बेटों का जिक्र किया

किंग चार्ल्स ने कहा- अब मेरा बेटा विलियम मेरा उत्तराधिकारी होगा। विलियम और उनकी पत्नी केट प्रिंस एंड प्रिंसेस ऑफ वेल्स होंगे। अपने संबोधन में उन्होंने दूसरे बेटे हैरी और पत्नी मेगन को प्यार भेजा। वे शाही परिवार से दूर जरूर हैं, लेकिन जहां भी रहें खुश रहें।

बदली शाही परिवार की उपाधियां

किंग चार्ल्स-III के बेटे प्रिंस विलियम अब प्रिंस ऑफ वेल्स कहलाएंगे। महारानी एलिजाबेथ II ने 1969 में अपने बेटे चार्ल्स को प्रिंस ऑफ वेल्स का ताज पहनाया था। उन्हें अपने पिता की ड्यूक ऑफ कॉर्नवाल की उपाधि विरासत में मिली है। विलियम और केट को अब ड्यूक एंड डचेस ऑफ कॉर्नवाल एंड कैम्ब्रिज की उपाधि दी गई है। यही नहीं चार्ल्स की पत्नी कैमिला भी अब एक नई उपाधि से जानी जाएंगी। वह क्वीन कंसोर्ट कही जाएंगी। क्वीन एलिजाबेथ के निधन के बाद प्रिंस हैरी और मेगन मर्केल के बेटे आर्ची माउंटबेटन-विंडसर तकनीकी रूप से अब एक राजकुमार हैं। 'द गार्जियन' की रिपोर्ट के मुताबिक, हैरी-मेगन की बेटी लिलिबेट 'लिली' माउंटबेटन-विंडसर भी अपने दादा चार्ल्स के सिंहासन पर बैठने के बाद राजकुमारी बनने की हकदार हैं।

इससे पहले क्वीन एलिजाबेथ को भी करीब 16 महीने इंतजार करना पड़ा था। फरवरी 1952 में उनके पिता का निधन हुआ। इसके तुरंत बाद वो महारानी बन गई थीं, लेकिन जून 1953 में उनकी ताजपोशी हुई थी।

संकटग्रस्त पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र महासचिव की यात्रा से बड़ी उम्मीदें

इस्लामाबाद। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस पाकिस्तान यात्रा पर पहुंचे हैं। बाढ़ से लेकर आर्थिक संकट तक से जूझ रहे पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव की इस यात्रा से बड़ी उम्मीदें लगा रखी हैं। पाकिस्तान में उम्मीद जगी है कि अब उसे दुनिया से अधिक मदद मिल सकेगी।

पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में बाढ़ की विभीषिका मुसीबत बनकर आई है। अब जब संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस पाकिस्तान पहुंचे हैं तो पाकिस्तान को लगता है कि गुटेरेस की यात्रा से दुनिया जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभाव के बारे में जान सकेगी। इस्लामाबाद पहुंचे गुटेरेस अपनी दो दिन की यात्रा में बाढ़ पीड़ित इलाकों का दौरा करेंगे और वहां बुरी तरह प्रभावित हुए लोगों से मिलेंगे। इस्लामाबाद पहुंचने पर पाकिस्तान की विदेश राज्यमंत्री हिना रब्बानी खार ने उनका स्वागत किया। बाद में गुटेरेस ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ बैठक भी

की।

इस्लामाबाद पहुंचते ही गुटेरेस ने ट्वीट कर कहा भी कि वे विनाशकारी बाढ़ के बाद पाकिस्तान के लोगों के साथ अपनी एकजुटता का इजहार करने वहां पहुंचे हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से जलवायु परिवर्तन के कारण हुए विनाश से जूझ रहे पाकिस्तान को बड़े पैमाने पर मदद देने की अपील भी की। पाकिस्तान सरकार ने जानकारी दी कि बाढ़ में देश का एक तिहाई हिस्सा डूब गया। 1,100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और लाखों घर नष्ट हो गए। कुल मिलाकर तीन करोड़ 30 लाख लोगों पर बाढ़ का असर हुआ है। पाकिस्तान सरकार और वहां के विशेषज्ञों को उम्मीद है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव पूरी दुनिया में हो रहे जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव की ओर दुनिया का ध्यान खीचेंगे, जिससे मुसीबत के वक्त में पाकिस्तान जैसे देशों को तुरंत मदद पहुंचाने की कोई व्यवस्था कायम हो पाएगी।

PAK को दी सौगात पर अमेरिका की सफाई

अमेरिकी डिप्लोमेट ने कहा- यह F-16 फाइटर जेट के स्पेयर पार्ट्स की बिक्री, मदद नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका ने पाकिस्तान को F-16 फाइटर जेट के रखरखाव के लिए 45 करोड़ डॉलर यानी 3,581 करोड़ देने की मंजूरी दी है। एक अमेरिकी राजनयिक ने इंटरव्यू में बताया कि यह पाकिस्तान के साथ मौजूदा स्न-16 बेड़े के लिए स्पेयर पार्ट्स की बिक्री है, ना कि अमेरिकी सरकार ने उनकी सहायता की है।

दक्षिण एशिया और मध्य एशियाई मामलों के अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने बताया कि यह अमेरिका की वर्ल्डवाइड पॉलिसी है कि जब वह किसी देश को डिफेंस इक्विपमेंट्स देता है तो अंत तक उसके रखरखाव के लिए बाकी सहयोग भी मुहैया करवाता है। हम फाइटर जेट के विंग्स और इक्विपमेंट्स की सर्विसिंग की बात कर रहे हैं। ऐसे में यह बिक्री है, मदद नहीं। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के पास मौजूद स्न-16 लड़ाकू विमानों के बेड़े में काफी पुराने विमान हैं। इनमें से कुछ विमान 40 साल से अधिक पुराने हैं, जो बिना मेंटेनेंस के खराब हो जाएंगे। इससे वे पायलटों और अन्य लोगों के लिए खतरा हो सकते हैं।

डोनाल्ड लू ने कहा कि इस दौरान पाकिस्तान को कोई नए वेपन सिस्टम नहीं दिए जाएंगे। उन्होंने कहा- हमने भारत सरकार कई चिंताओं सुना है। मैं साफ कहता हूं, यह एक सुरक्षा और रखरखाव कार्यक्रम है। कोई नए विमान और वेपन सिस्टम पर विचार नहीं किया जा रहा है।

पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने लगाई थी रोक

डोनाल्ड ट्रंप ने 2018 में पाकिस्तान को दी जाने वाली दो अरब डॉलर की वित्तीय सहायता पर बैन लगा दिया था। उन्होंने ये कदम यह कहते हुए उठाया था कि आतंकवादी संगठनों तालिबान और हक्कानी

नेटवर्क पर कार्रवाई में पाकिस्तान फेल रहा है।

बाइडेन ने ट्रंप का फैसला पलटा

अब वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसे पलट दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस्लामाबाद को वर्तमान और भविष्य में भी आतंकवाद से जुड़े खतरों से निपटने में काफी मदद मिलेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'कांग्रेस को प्रस्तावित अधिसूचना में कहा गया है कि विदेशी सैन्य बिक्री की सूचना है। इससे पाकिस्तान की वायु सेना के एफ-16 कार्यक्रम को जारी रखा जा सकेगा। यह एक महत्वपूर्ण आतंकवादी रोधी सहयोगी है।'

आतंकवाद पीड़ितों की पहली संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कांग्रेस में उठी 26/11 मुंबई हमले की टीस

न्यूयॉर्क । यहां आयोजित आतंकवाद पीड़ितों की पहली संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कांग्रेस में मुंबई के 26/11 हमले की कहानी सुन लोगों का दिल गम और गुस्से में बैठ गया। मुंबई के ताज होटल के तत्कालीन महाप्रबंधक करमबीर कांग ने अपनी आपबीती साझा की। इस हमले में कांग ने अपनी पत्नी और दो युवा बेटों को खोया है।

करमबीर कांग ने कहा 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय

समुदाय से आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने और जान गंवाने वालों के लिए न्याय की मांग की थी। आतंकवाद पीड़ितों की पहली संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कांग्रेस में कांग की पत्नी, दोनों बेटों सहित दुनिया भर के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी गई।

> उन्होंने कहा हमले में मेरी पत्नी और दो जवान बेटे मारे गए। कुछ ही पल में मैंने अपना सब कुछ खो दिया।
> लेकिन मेरा स्टाफ बिना हथियारों के केवल साहस के बूते लड़ता रहा। उनके साहस से हजारों लोगों की जान बची पर उस रात हमने अपने कई बहादुर साथियों को खो दिया।

उन्होंने कहा हमले में मेरी पत्नी और दो जवान बेटे मारे गए। कुछ ही पल में मैंने अपना सब कुछ खो दिया। लेकिन मेरा स्टाफ बिना हथियारों के केवल साहस के बूते लड़ता रहा। उनके साहस से हजारों लोगों की जान बची पर उस रात हमने अपने कई बहादुर साथियों को खो दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत की पहली स्थायी महिला दूत रुचिरा कंबोज ने इस ग्लोबल कांग्रेस पर ट्वीट किया- 'करमबीर कांग मुंबई में ताज होटल के महाप्रबंधक थे जब 26/11 का मुंबई आतंकी हमला हुआ था। कांग ने इस कांग्रेस में हिस्सा लिया। संयुक्त राष्ट्र की पहली ग्लोबल कांग्रेस के उद्घाटन अवसर पर कल 'कॉल टू एक्शन' में उन्होंने अपना दर्द साझा किया।

लगातार पाचवें हफ्ते देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट

नई दिल्ली। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पांचवें हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो सितंबर को समाप्त हफ्ते में 7.9 अरब डॉलर घटकर 553.11 अरब डॉलर रह गया है। विदेशी मुद्रा भंडार का यह 9 अक्टूबर, 2020 के बाद का न्यूनतम स्तर है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के मुताबिक विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आने की वजह विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए), विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी है।

एक तिहाई पाकिस्तान जलमग्न, 12 लाख गर्भवती महिलाएं राहत शिविरों में

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बाढ़ का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालात ये हैं कि एक तिहाई पाकिस्तान जलमग्न हो गया है। 12 लाख से अधिक गर्भवती महिलाएं राहत शिविरों में हैं और उनके सामने सुरक्षित प्रसव का संकट पैदा हो गया है। पाकिस्तान में जबर्दस्त बाढ़ ने साढ़े तीन करोड़ लोगों को प्रभावित किया है। अब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी बाढ़ के दुष्प्रभावों के लेकर सावधान किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अस्थाई राहत शिविरों में रह रही 12 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं को लेकर सर्वाधिक चिंता जताई है। ऐसे में इन महिलाओं के सामने सुरक्षित प्रसव का संकट उत्पन्न हो गया है। इन 12 लाख गर्भवती महिलाओं में से करीब 70 हजार महिलाओं का प्रसव एक माह के भीतर होना है। राहत शिविरों में स्वास्थ्य सहायता पहुंचने में हो रहे संकट के चलते इन महिलाओं को किसी चिकित्सकीय सहायता के बिना ही बच्चों को जन्म देना होगा।

पाकिस्तान में विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डॉ. पलिता गुणरत्ना महिपाल ने बताया कि बाढ़ के कारण करीब 10 प्रतिशत स्वास्थ्य संस्थान तहस-नहस हो चुके हैं। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में तो पूरा स्वास्थ्य तंत्र ध्वस्त हो चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी रिपोर्ट में उन पाकिस्तानी बच्चों की जान को खतरा बताया है, जिन्होंने बाढ़ के समय जन्म लिया है। दरअसल, बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों को राहत शिविरों में रखा गया है लेकिन वहां पर्याप्त चिकित्सीय व्यवस्थाएं न होने के कारण उनकी जान पर भी बन आई है।

पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण टीम पर फिर हमला

खैबर पख्तूनख्वा में हुई गोलीबारी, टीम की सुरक्षा में तैनात 4 पुलिसकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने पोलियो टीकाकरण टीम पर गोलीबारी की। इससे पोलियो टीम की सिक्योरिटी में तैनात 4 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और 2 घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घटना टैंक जिले के गुल ईमान इलाके में हुई है। हमलावरों ने उस पुलिस वैन पर हमला किया, जिसमें घर-घर जाकर पोलियो टीकाकरण करने वाली टीम सवार थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुलिस और हमलावरों के बीच लंबे समय तक गोलीबारी जारी रही। फिलहाल किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

28 जून को भी हुआ था हमला, 3 की मौत

पाकिस्तान में बीते कुछ महीनों से पोलियो टीकाकरण टीम पर हमले बढ़ गए हैं। 28 जून को पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले में भी पोलियो रोधी टीकाकरण करने गई टीम पर हमला हुआ था, जिसमें 2

पुलिसकर्मियों समेत 3 लोगों की मौत हो गई थी। 30 जुलाई को पेशावर जिले के दाउदजई इलाके में पोलियो कर्मियों की सुरक्षा में तैनात बंदूकधारियों ने पुलिस कांस्टेबल को गोली मार दी थी।

खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस अधिकारी को गोली मारी- 1 अगस्त को उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पोलियो कर्मियों की टीम की सुरक्षा में तैनात एक पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद 15 अगस्त को खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो टीम की सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों को गोली मार दी गई थी।

पोलियो टीम पर इसलिए हो रहे हमले

पाकिस्तान के कई इलाकों में लोग पोलियो रोधी टीकाकरण के खिलाफ हैं। उनका कहना है कि पोलियो की बूंदें लोगों में बांझपन का कारण बनती हैं। हालांकि

> *हमलावरों ने उस पुलिस वैन पर हमला किया, जिसमें घर-घर जाकर पोलियो टीकाकरण करने वाली टीम सवार थी।*
> *स्थानीय लोगों ने बताया कि पुलिस और हमलावरों के बीच लंबे समय तक गोलीबारी जारी रही।*

सरकार लोगों को समझा रही है कि यह अभियान आपकी सुरक्षा के लिए है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

सिंध में हिंदू लड़की से दुष्कर्म, अमेरिका में जवाब न दे सके पाकिस्तानी राजदूत

वाशिंगटन। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बाढ़ राहत के नाम पर एक हिंदू लड़की से दुष्कर्म के मामले में पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असहज स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तानी राजदूत को अमेरिका में भी इससे जुड़े सवालों का सामना करना पड़ा, जिसका वे जवाब नहीं दे पाए। पाकिस्तान इस समय भीषण बाढ़ और इस बाढ़ के कारण उत्पन्न संकट से जूझ रहा है। बाढ़ के कारण उत्पन्न संकट से निपटने के लिए पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राहत की उम्मीद लिए अभियान चला रहा है। ऐसे में पाकिस्तान में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार उसके अभियान के रास्ते में बाधा बन रहे हैं। बीते दिनों सिंध में भी बाढ़ का कहर देखा गया है। बाढ़ की शिकार एक हिंदू नाबालिग लड़की को मुफ्त राशन का लालच देकर बुलाया गया, फिर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। यह मसला भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उछल रहा है। अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत मसूद खान वाशिंगटन स्थित नेशनल प्रेस क्लब में पत्रकारों से बात कर रहे थे। इस दौरान वे पाकिस्तान में भीषण बारिश और उसके बाद बाढ़ से उत्पन्न स्थितियों का ब्यौरा दे रहे थे, ताकि पाकिस्तान को राहत कार्यों के लिए मदद मिल सके।